1. बरसते बादल

विधा : - कविता

कवि:-सुमित्रानंदन पंत

शब्दार्थ:-	
१. मेघ	= बादल, घन, जलद, वारिद, మేఘం, clouds
२. तरु	= पेड़, वृक्ष, पादप, చెట్టు, tree
३. चमक	= प्रकाश, रोशनी, కాంతి, luster
४. उर	= दिल, हृदय, హృదయం, heart
५. तम	= अंधकार, अंधेरा, చీకటి, darkness
६. दादुर	= मेंढ़क, కప్ప, frog
७. झिल्ली	= झिंगूर, కీచురాయి, cricket(insect)
८. मोर	= मयूर, నెమలి, peacock
९. चातक	= एक पक्षी, చాతక పక్షి a kind of bird which drinks rain drops only
१०. सोनबालक	= जल पक्षी, జలపక్షులు a kind of water birds
११. क्रंदन	= रोना, రోదించుట, weaping
१२. गगन	= आकाश, नभ, आसमान, ఆకాశం, sky
१३. धरती	= भूमि, धरा, पृथ्वी, భూమి, earth
१४. वारि	= जल, पानी, तोय, सलील, నీరు, water
१५. मन	= दिल, जी, हृदय మనస్సు, heart
१६. झूला	= हिंडोला, ఊయల, a swing
१७. जन	= लोग, प्रजा, जनता, ప్రజలు, people

१८. ***मनभावन*** = प्रिय, ఇష్టమైన, desirable

प्रश्न (4 marks)

1. 'बरसते बादल' कविता के कवि के बारे में आप क्या जानते हैं?

या

'सुमित्रानंदन पंत जी' के साहित्य परिचय दीजिए ?

ज. 'बरसते बादल' कविता के कवि श्री सुमित्रानंदन पंत जी है। वे छायावादी कवि हैं। इसका जन्म **20** मई, सन् **1900** में कौसानी गॉंव में हुआ। 'चिदंबरा' काव्य के लिए आप 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' दिया गया। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- वीणा, ग्रंथि, पल्लव, गुंजन आदि हैं। वे प्रकृति के बेजोड़ कवि हैं। इनका निधन सन् **1977** में हुआ।

प्रश्न (3 marks)

1. धरती की शोभा का प्रमुख कारण वर्षा है। अपने विचार बताइए ?

या

वर्षा ऋतु के प्राकृतिक सौंदर्य पर अपने विचार लिखिए ?

या

वर्षा के समय प्रकृति की सुंदरता बढ़ती है। कैसे ?

ज. धरती की शोभा का प्रमुख कारण वर्षा है। वर्षा ऋतु के प्राकृतिक सौंदर्य देखनेलायक होती है। वर्षा ऋतु में प्रकृति हरी भरी और सुंदर होती है। सावन के मेघ बरसते हैं। सुंदर इंद्रधनुष झूले की तरह दिखता है। तालाब, नदियॉं आदि पानी से भर जाते हैं।

2. घने बादलों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ?

ज. आसमान में काले बादल छाये रहते हैं। आकाश में इधर-उधर घूमते हैं। वर्षा करके धरती को तृप्त करते हैं। घने बादल बिजलियॉं भी चमकती हैं। बादल कभी-कभी भीषण गर्जन भी करते हैं।

3. वर्षा सभी प्राणियों के लिए जीवन का आधार है। कैसे ?

ज. वर्षा से पानी मिलता है। इससे सबकी प्यास बुझाती है। पानी के बिना पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मानव जीवित नहीं रह सकते हैं। वर्षा से तालाब, नदियॉं आदि पानी से भर जाते हैं। खेती की सिंचाई होती है। इसलिए वर्षा सभी प्राणियों के लिए जीवन का आधार है।

4. कविता में किन-किन प्राणियों का वर्णन किया गया ?

ज. वर्षा के समय सब प्राणियाँ पुलकित हो जाते हैं। मेंढ़क टर्राते हैं। झींगुर झन-झन बजती है। मोर कूकते नाचते हैं। चातक पक्षी पीउ-पीउ करते हैं। जलपक्षी भीगकर रोदन करते हैं।

5. प्रकृति की कौन-सी चीजें मन को छू लेती हैं ?

ज. श्रावण मास में प्रकृति की सुंदरता बढ़ती है। आकाश में काले बादल, बरसनेवाले मेघ, चमकनेवाली बिजली, बहती जलधाराएँ, मोर का नाच, रिमझिम बूँदों के स्वर और इंद्रधनुष आदि चीजें मन को छू लेती हैं।

6. 'फिर-फिर आये जीवन में सावन मनभावन।' ऐसा क्यों कहा गया होगा ?

ज. श्रावण मास में ही वर्षा ऋतु आरंभ होता है। वर्षा ऋतु सदा सबकी प्रिय ऋतु रही है। वर्षा के समय प्रकृति की सुंदरता देखनेलायक होती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, मानव और धरती भी खुशी से नाच उठते हैं। इसलिए कवि ने मनभावन सावन को जीवन में फिर-फिर आने के लिए कहा होगा।

सारांश (10 marks)

१. 'बरसते बादल' कविता में प्रकृति का सुंदर चित्रण है। अपने शब्दों में लिखिए।

या

पंत जी प्रकृति चित्रण के बेजोड़ कवि है। बरसते बादल कविता के द्वारा स्पष्ट कीजिए।

ज. **परिचयः-**

पाठ का नाम	: बरसते बादल
कवि का नाम	: श्री सुमित्रानंदन पंत जी
विधा	: कविता
जीवनकाल	: 1900—77
रचनाएँ	: वीणा, ग्रंथि, पल्लव

विषय प्रवेशः- वर्षा ऋतु हमेशा सब की प्रिय ऋतु रही है। वर्षा के समय प्रकृति की सुंदरता देखनेलायक होती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, मानव और धरती भी खुशी से नाच उठते हैं।

विश्लेषणः- श्रावण मास के मेघ झम-झम बरसते हैं। वर्षा की बूँदें पेड़ों से छनकर छम-छम गिरते हैं। बादलों के हृदय में बिजली चम-चम चमकती है। दिन के अंधकार में मन के सपने थम-थम जगते हैं।

वर्षा होने पर मेंढ़क टर्राते हैं। झींगुर झन-झन बजती है। मोर खुशी से कूकते हैं। चातक पक्षी पीउ-पीउ आवाज़ करते हैं। जलपक्षी गीली-खुशी से रोदन करते हैं । आकाश में मेघ घुमड-घुमड गिरकर गर्जन करते हैं।

वर्षा की बूँदों के स्वर हमसे कुछ कहते हैं। उनके छूते ही रोम सिहर उठकर मन को छू लेते हैं। धरती पर पानी की धाराएँ बहती हैं। मिट्टी के कण-कण में कोमल अंकुर फूट पडते हैं।

कवि कहता है कि- मेरा मन पानी की धाराएँ पकडकर झूलने लगता है। आओ! मुझे घेरकर सावन के गीत गाओ। हम सब मिलकर इंद्रधनुष के झूले में झूलेंगे। हमारे जीवन में मनभावन सावन बार-बार आये।

विशेषताः- इस कविता में कवि ने वर्षा ऋतु की प्राकृतिक सौंदर्य का सजीव चित्रण किया है।

भाषा की बात

1. रेखांकित शब्द का तत्सम रूप पहचानकर लिखिए।

- ***सावन*** ***के मेघ झम-झम बरसते हैं।***

सावण	श्रावण	श्रावन

ज. श्रावण

तत्सम	तद्भव
1. श्रावण	सावन
2. स्वप्न	सपना
3. सूर्य	सूरज
4. गण	गन
5. वारि	बारि
6. चंद्र	चाँद
7. बूँद	बिन्दु
8. मयूर	मोर

2. क्रियाविशेषण शब्द पहचानकर लिखिए।

- ❖ सावन के मेघ झम-झम बरसते हैं। - झम-झम
- ❖ तरूओं से बूँदे छम-छम गिरते हैं। - छम-छम
- ❖ बिजली चम-चम चमकती हैं। - चम-चम
- ❖ मन के सपने थम-थम जगते हैं। - थम-थम

3. हिंदी अक्षरों में लिखिए।

- **1900** - उन्नीस सौ
- **1977** - उन्नीस सौ सतहत्तर

4. सही कारक चिह्न पहचानकर लिखिए।

- **सावन --- मेघ झम-झम बरसते हैं। (का,के,की)** ज. के
- **धरती --- धाराएँ झरती हैं। (में,पर,से)** ज. पर
- **हमारे जीवन --- सावन फिर-फिर आये। (में,पर,से)** ज. में

5. वाक्य के आधार पर समास पहचानकर लिखिए।

➢ पेड़-पौधे, पशु-पक्षी सभी खुशी से झूम उठती हैं।

पेड़-पौधे - तत्पुरुष समास	पशु-पक्षी - द्वंद्व समास

ज. पशु-पक्षी - द्वंद्व समास

- ➢ पेड़-पौधे - द्वंद्व समाास
- ➢ चातक गण - तत्पुरुष समास
- ➢ कण-कण - अव्ययीभाव समास
- ➢ तृण-तृण - अव्ययीभाव समास

हमारी हिन्दी

6. रेखांकित शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।

● छात्रों में <u>मनोरंजन</u> की भावना जगाना है।

ज. मनः+रंजन

7. एक शब्द में लिखिए।

❖ मन को भानेवाला – **मनभावन**

❖ जो कविता लिखता है। – **कवि**

❖ जिसका कभी जोड़ न हो । – **बेजोड़**

8. रेखांकित मुहावरे का अर्थ क्या है **?**

○ पुलिस को देखकर चोर <u>नौ दो ग्यारह हो</u> गये।

भाग जाना	गायब होना	मर जाना

ज. भाग जाना

9. लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

▪ **कवि कविता लिखता है।**

ज. कवयित्री कविता लिखती है।

▪ **छात्र मैदान में खेलता है।**

ज. छात्रा मैदान में खेलती है।

10. वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

● सावन के मेघ बरसते हैं।

ज. सावन का मेघ बरसता है।

● अंधकार में मन के सपने जगते हैं।

ज. अंधकार में मन का सपना जगता है।

- धरती पर धाराएँ झरती हैं।

ज. धरती पर धारा झरती है।

11. काल बदलकर लिखिए।

- सावन के मेघ बरसते हैं। **(भविष्यत काल)**

ज. सावन के मेघ बरसेंगे।

- धरती पर धाराएँ झरती हैं।**(भूतकाल)**

ज. धरती पर धाराएँ झरती थी।

- वर्षा ऋतु सब की प्रिय ऋतु रही है। **(भविष्यत काल)**

ज. वर्षा ऋतु सब की प्रिय ऋतु रहेंगी।

12. शुद्ध रूप में लिखिए।

- सावन की मेघ बरसते हैं।
- सावन के मेघ बरसते हैं।
- धरती में धाराएँ झरते हैं।
- धरती पर धाराएँ झरती हैं।
- अंधकार में मन की सपने जगती हैं।
- अंधकार में मन के सपने जगते हैं।

हमारी हिन्दी

वार्षिक परीक्षा प्रश्न पत्र में 14 प्रश्न के रूप में पठित पद्यांश पूछेगा।

पठित पद्यांश

14. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

❖ झम-झम-झम-झम मेघ बरसते हैं सावन के,
छम-छम-छम गिरती बूँदे तरुओं से छन के।
चम-चम बिजली चमक रही रे उर में घन के,
थम-थम दिन के तम में सपने जगते मन के।।

1.सावन के मेघ कैसे बरसते हैं ? [ ]
A) झम-झम B) छम-छम c) चम-चम D) थम-थम

2. बूँदें किनसे छनकर गिरती हैं ? [ ]
A) मेघों B) तरुओं c) बिजली D) सावन

3. किसके उर में बिजली चमक रही हैं ? [ ]
A) तम B) तरुओं c) सावन D) घन

4. 'तम' शब्द का अर्थ क्या है ? [ ]
A) मन B) पेड़ c) अंधकार D) वर्षा

5. यह पद्यांश किस पाठ से दिया गया है ? [ ]
A) हम भारतवासी B) बरसते बादल c) ईदगाह D) कण-कण का अधिकारी

❖ दादुर टर-टर करते झिल्ली बजती झन-झन,
'म्यव-म्यव' रे मोर 'पीउ-पीउ' चातक के गण।
उड़ते सोनबालक, आर्द्र-सुख से कर क्रंदन,
घुमड़-घुमड़ गिर मेघ गगन में भरते गर्जन।।

1.दादुर क्या करते हैं ? [ ]
A) तर-तर B) टर-टर c) झन-झन D) पीउ-पीउ

2. झन-झन की आवाज़ कौन करती है ? [ ]
A) दादुर B) मोर c) चातक D) झिल्ली

3. गगन में कौन गर्जन करते हैं ? [ ]

A) मोर B) सोनबालक c) मेघ D) चातक

4. 'गगन' शब्द का अर्थ क्या है ? [ ]

A) आकाश B) पेड़ c) अंधकार D) वर्षा

5. उपर्युक्त पद्यांश के कवि कौन है ? [ ]

A) दिनकर B) पंत जी c) प्रेमचंद D) आर.पि.निशंक

❖ रिमझिम-रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,
रोम सिहर उठते छूते वे भीतर अंतर।
धाराओं पर धाराएँ झरती धरती पर,
रज के कण-कण में तृण-तृण को पुलकावली थर।।

1.बूँदों के स्वर कैसे होते हैं ? [ ]

A) कण-कण B) टर-टर c) झन-झन D) रिमझिम-रिमझिम

2. धाराओं पर धाराएँ कहाँ पर झरती हैं ? [ ]

A) धरती B) भीतर c) कण-कण D) आकाश

3. क्या छूते ही रोम सिहर उठते हैं ? [ ]

A) हाथ B) वर्षा की बूँदें c) मेघ D) पानी

4. 'धरती' शब्द का अर्थ क्या है ? [ ]

A) आकाश B) पेड़ c) अंधकार D) भूमि

5. उपर्युक्त पद्यांश किस विधा का है ? [ ]

A) कविता B) पद c) दोहे D) चौपाई

❖ पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन,
आओ रे सब मुझे घेरकर गाओ सावन।
इंद्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन,
फिर-फिर आये जीवन में सावन मनभावन।।

1.कवि का मन किसकी धार को पकड़ना चाहता है ? [ ]

A) वारी B) वारि c) मेघ D) दूध

2. सब मुझे घेरकर कौन–सा गीत गाना है ? [ ]

A) सावन B) श्रावन c) सावण D) खुशी

3. किसके झूले में सब जन मिलकर झूलें ? [ ]

A) इंद्रधनूश B) इंद्रदनुष c) आकाश D) इंद्रधनुष

4. 'जीवन' शब्द का विलोम शब्द क्या है ? [ ]

A) मरण B) मरन c) जिंदगी D) मृत्यु

5. उपर्युक्त पद्यांश किस पाठ से दिया गया है ? [ ]

A) हम भारतवासी B) बरसते बादल c) ईदगाह D) कण–कण का अधिकारी

व्याकरणांश

➤ विलोम शब्दः-

१. प्रिय	x	अप्रिय	६. जगना	x	सोना
२. सुंदर	x	असुंदर	७. सौंदर्य	x	असौंदर्य
३. दिन	x	रात	८. मीठा	x	कड़ुआ
४. भीतर	x	बाहर	९. जोड़	x	बेजोड़
५. जीवन	x	मरण	१०.लायक	x	नालायक

***** समाप्त *****

2. ईदगाह

विधा : - कहानी　　　　　　　　　　　　　　　　　　लेखक:-प्रेमचंद

शब्दार्थ:-	
१. अजीब	= विचित्र, अद्भुत, अनोखा, విచిత్రమైన , Strange
२. रौनक	= शोभा, प्रकाश, కాంతి, brightness
३. ईद	= त्यौहार, पर्व, పండుగ, festival
४. शीतल	= ठंडा, చల్లని, cool
५. संसार	= विश्व, जग, दुनिया, ప్రపంచం, the world
६. अदालत	= न्यायालय, న్యాయస్థానం, court
७. छाले	= फफोले, బొబ్బలు, blisters
८. संगी	= मित्र, दोस्त, మిత్రుడు, friend
९. दुआएँ	= आशीर्वाद, ఆశీర్వచనములు blessings
१०. धावा	= आक्रमण, దాడి attack

प्रश्न (4 marks)

1. 'ईदगाह' कहानी के लेखक के बारे में आप क्या जानते हैं?

या

'प्रेमचंद जी' के साहित्य परिचय दीजिए ?

ज. 'ईदगाह' पाठ के लेखक श्री प्रेमचंद जी है। इसका जन्म **31** जुलाई, सन् **1880** में काशी में हुआ। इनके बचपन का नाम धनपतराय श्रीवास्तव हैं। इन्हें 'उपन्यास सम्राट' भी कहा जाता हैं। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- गोदान, गबन, सेवासदन, निर्मला, प्रतिज्ञा आदि हैं।

प्रश्न (3 marks)

1. हामिद कैसा लड़का था?

(या)

हामिद का स्वभाव कैसा था ?

ज. हामिद भोली सूरत का 4–5 साल का दुबला-पतला लड़का था। वह नादान बालक था। उसके माता-पिता मर गये थे। वह अपनी दादी अमीना के साथ रहता था। वह दादी से बहुत प्यार और आदर करता था।

2. हामिद की खुशी का कारण क्या है ?

ज. दादी अमीना ने हामिद से बताया कि- 'उसके अब्बाजान रुपये कमाने गये हैं। अम्मीजान अल्लाह मियॉं के घर से बहुत चीजें लाने गयीं हैं। आज वह ईदगाह जा रहा है। इसलिए वह बहुत प्रसन्न है।

3. हामिद के मित्र कौन थे ? वे मेले में क्या-क्या खरीदे ?

ज. हामिद के मित्र महमूद, मोहसिन, नूरे और सम्मी थे। मेले में महमूद-भिश्ती, मोहसिन-सिपाही, नूरे-वकील और सम्मी-धोबिन खरीदे।

4. हामिद चिमटा क्यों खरीदना चाहता था ?

ज. हामिद को ख्याल आता है, दादी के पास चिमटा नहीं है। तवे से रोटियॉं उतारती हैं तो हाथ जल जाते हैं। दादी भी बहुत प्रसन्न होती, इसलिए हामिद तीन पैसे से चिमटा खरीदना चाहता था।

5. हामिद के हृदयस्पर्शी विचारों के प्रति दादी की भावनाएँ कैसी थी ?

(या)

अमीना का मन क्यों गद् गद् हो गया ?

ज. अमीना खुशी है कि हामिद उसका ख्याल रखता है। हामिद में त्याग, सद्भाव और विवेक है। दूसरों को खिलौने लेते और मिठाई खाते इसका मन कितना ललचाया होगा। वहॉं भी अपनी दादी की याद आयी। इसलिए अमीना का मन गद्गद् हो गया।

हमारी हिन्दी

6. अपनी दादी के प्रति हामिद की भावनाएँ कैसी थी ?

ज. हामिद भोली सूरत का 4–5 साल का दुबला-पतला लड़का था। वह नादान बालक था। वह अपनी दादी अमीना के साथ रहता था। वह दादी से बहुत प्यार और आदर करता था। सदा उसकी ख्याल रखता था।

7. बड़े-बुजुर्गों के प्रति आदर,श्रद्धा और स्नेह भावनाओं का महत्व अपने शब्दों में लिखिए।

ज. बड़े-बुजुर्गों के प्रति आदर,श्रद्धा और स्नेह भाव रखना हमारा कर्तव्य हैं। इससे विकास और खुशी मिलती है। अच्छे गुणों का विकास होता है। उनकी सहायता करनी चाहिए। उनकी बातों को मानना चाहिए।

सारांश (10 marks)

९. 'ईदगाह' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

या

'ईदगाह' कहानी नैतिक मूल्यों का प्रतिबिंब है। स्पष्ट कीजिए।

ज. **परिचयः-**

पाठ का नाम	: ईदगाह
लेखक का नाम	: श्री प्रेमचंद जी
विधा	: कहानी
जीवनकाल	: 1880–1936
रचनाएँ	: गोदान, गबन, सेवासदन

विषय प्रवेशः- प्राचीन काल से ही नैतिक मूल्य भारतीय जीवन के प्रतिबिंब रहे हैं। ये हर भारतीय में समाए हैं। हम अपने बुजुर्गों का बड़ा ध्यान रखते हैं।

विश्लेषणः- हामिद भोली सूरत का 4–5 साल का दुबला-पतला लड़का था। वह नादान बालक था। उसके माता-पिता मर गये थे। वह अपनी दादी अमीना के साथ रहता था। वह दादी से बहुत प्यार और आदर करता था।

हामिद के मित्र महमूद, मोहसिन, नूरे और सम्मी थे। मेले में महमूद-भिश्ती, मोहसिन-सिपाही, नूरे-वकील और सम्मी-धोबिन खरीदे। हामिद को ख्याल आता है, दादी के पास चिमटा नहीं है। तवे से रोटियाँ उतारती हैं तो हाथ जल जाते हैं। दादी भी बहुत प्रसन्न होती, इसलिए हामिद ने तीन पैसे से चिमटा खरीदा था।

अमीना खुशी है कि हामिद उसका ख्याल रखता है। हामिद में त्याग, सद्भाव और विवेक है। दूसरों को खिलौने लेते और मिठाई खाते इसका मन कितना ललचाया होगा। वहाँ भी अपनी दादी की याद आयी। इसलिए अमीना का मन गद्गद् हो गया।

विशेषताः- इस कहानी में दादी और पोते का मार्मिक प्रेम दर्शाया गया है।

भाषा की बात

1. रेखांकित शब्द का तत्सम रूप पहचानकर लिखिए।

- ***गाँव* से मेला चला।**

ग्रम	ग्राम	ग्रवा

ज. ग्राम

तत्सम	तद्भव
1. अंगुली	ऊँगली
2. अश्रु	आँसू
3. सूर्य	सूरज
4. मस्तक	माथा
5. मित्र	मीत
6. मृत्यु	मौत

2. क्रियाविशेषण शब्द पहचानकर लिखिए।

- आज ईद का दिन है। - आज
- सारी सामाग्री जमा करके झटपट बना लेती। - झटपट
- यह चिमटा कहाँ से लाया ? - कहाँ

3. हिंदी अक्षरों में लिखिए।

- **1880** - अठारह सौ अस्सी
- **1936** - उन्नीस सौ छत्तीस

4. सही कारक चिह्न पहचानकर लिखिए।

- **अमीना.....दिल कचोट रहा है। (का,के,की)** ज. का
- **गाँव.....मेला चला। (में,पर,से)** ज. से
- **तवे....रोटियाँ उतरती हैं। (में,पर,से)** ज. से
- **आज ईद.....दिन है। (का,के,की)** ज. का

5. वाक्य के आधार पर समास पहचानकर लिखिए।

- हामिद चार-पाँच साल का दुबला-पतला लड़का था।

चार-पाँच - तत्पुरुष समास	दुबला-पतला - द्वंद्व समास

ज. दुबला-पतला - द्वंद्व समास

- दोपहर - द्विगु समाास
- ईदगाज - तत्पुरुष समास

6. रेखांकित शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।

- कितना मनोहर, कितना सुहावना प्रभात।

ज. मनः+हर

- **सद्भाव - सत्+भाव**

7. एक शब्द में लिखिए।

- मन को हरनेवाला - **मनोहर**
- जिसे गिना न जा सके - **अनगिनत**

8. रेखांकित मुहावरे का अर्थ क्या है ?

○ अमीना का दिल कचोट रहा है।

दु:खी होना	प्रसन्न होना	मर जाना

ज. दु:खी होना

- *भेंट हो जाना - मर जाना*
- *धावा बोलना - हमला करना*
- *चकनाचूर होना - नष्ट होना*
- *दिल बैठ जाना - अधीर होना*
- *मन गद्गद् होना - बहुत प्रसन्न होना*

9. लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

- दादी बाजार जाती है।

ज. दादा बाजार जाता है।

- लड़का ईदगाह जाता है।

ज. लड़की ईदगाह जाती है।

10. वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

- लड़के सबसे ज्यादा प्रसन्न हैं।

ज. लड़का सबसे ज्यादा प्रसन्न है।

- वह रेवडी खरीदती है।

ज. वे रेवडियॉ खरीदती हैं।

- दुकान में चिमटा है।

ज. दुकान में चिमटे हैं।

11. काल बदलकर लिखिए।

- गॉव से मेला चला। (भविष्यत काल)

ज. गॉंव से मेला चलेगा।

- अमीना का दिल कचोट रहा है ।(भूतकाल)

ज. अमीना दिल कचोट रहा था।

- यह चिमटा कहॉ से लाया। (वर्तमान काल)

ज. यह चिमटा कहॉं से लाता है।

12. शुद्ध रूप में लिखिए।

- आज ईद की दिन है।

ज. आज ईद का दिन है।

हमारी हिन्दी

- गॉंव पर मेला चला।

  ज. गॉंव से मेला चला।

- हामिद ने चिमटा लाया है।

  ज. हामिद चिमटा लाया है।

विलोम शब्दः	उपसर्गः	प्रत्ययः
1. अपराधी x निरपराधी	1. बेसमझ – बे	1- दुकानदार – दार
2. प्रसन्न x अप्रसन्न	2- सद्भाव – सत्	2- भड़कीला – ईला
3- गरीब x अमीर	3- निडर – नि	3- गरीबी – ई

*****

हमारी हिन्दी

1. जिस देश में गंगा बहती है।

विधा : गीत

कवि:-शैलेंद्र कुमार

3. हम भारतवासी

विधा : - कविता लेखक:-आर.पी.निशंक

शब्दार्थ:-	
१. दुनिया	= संसार, विश्व, जग, ప్రపంచం, the world
२. पावन	= पवित्र, పవిత్రం, holy
३. दिल	= मन, हृदय, మనస్సు, heart
४. नफरत	= द्वेष, ద్వేషం, hatred
५. विश्वास	= भरोसा, నమ్మకం, faith
६. उलझन	= समस्या, సమస్య, problem
७. राह	= पथ, मार्ग, దారి, way
८. क्लेश	= कष्ट, కష్టం, troubles
९. बगिया	= बगीचा, बाग, తోట garden
१०. धरती	= भूमि, पृथ्वी, धरा, अवनी, భూమి the earth

प्रश्न (4 marks)

1. 'हम भारतवासी' कविता के कवि के बारे में आप क्या जानते हैं?

या

'आर.पी.निशंक जी' के साहित्य परिचय दीजिए ?

ज. 'हम भारतवासी' कविता के कवि श्री आर.पी.निशंक जी है। इसका जन्म 15 जुलाई, सन् 1959 में पिनानी गाँव में हुआ। इनका पूरा नाम रमेश पोखरियाल निशंक हैं। प्रस्तुत कविता 'मातृभूमि के लिए' संग्रह से ली गयी है। इनकी रचनाओं का मुख्य प्रतिपाद्य 'देशभक्ति' है। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- समर्पण, नवंकूर, जीवन पथ में आदि हैं।

प्रश्न (3 marks)

1. ऊँच-नीच का भेद मिटाने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं?

ज. **ऊँच**-नीच का भेद मिटाने के लिए सब में प्यार होना है। एकता की भावना बढ़ानी है। नफ़रत की भावना को दूर करना है। सभी मिलझुलकर रहना है।

2. उलझनों से बचे रहने के लिए हमें कैसी सावधानियाँ लेनी चाहिए ?

ज. उलझनों से बचे रहने के लिए हमें धैर्य से रहना हैं। पहले हमें वास्तविकता को समझना चाहिए। मन में श्रद्धा और प्रेम भावना रखना है। विवेक से सावधानियाँ लेना है। निराशा को दूर कर विश्वास से रहना है।

3. निराशावादी और आशावादी के स्वभाव में क्या अंतर होता है ?

ज. निराशावादी कष्टों से डरकर काम नहीं करता है। उनके कुछ लक्ष्य नहीं होते। उनकी जिंदगी में खुशी नहीं होती है।

आशावादी निरंतर धैर्य से काम पूरा करता है। उनके जीवन में लक्ष्य होते हैं। उनकी जिंदगी खुशी होती है।

4. सत्य, अहिंसा, त्याग आदि भावनाओं का हमारे जीवन में क्या महत्व हैं ?

ज. सत्य, अहिंसा, त्याग आदि भावनाओं का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है। इन भावनाओं को पालन करना है। इससे लक्ष्यप्राप्ति, सुखमय जीवन मिलता है। आदर्शवान बनते है। नैतिक गुणों का विकास होता है।

5. दुनिया को 'पावन धाम' बनाने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं ?

ज. हम दुनिया को 'पावन धाम' बनाने के लिए मन में श्रद्धा और प्रेम को दिखाना है। भेदभाव मिटाना है। निराशा को दूर कर विश्वास जगाना है। सत्य, अहिसा, त्याग और समर्पण आदि गुणों को पालन करना है।

सारांश (10 marks)

९. 'हम भारतवासी' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

या

भारतवासी दुनिया को पावन धाम बनाना चाहता है। स्पष्ट कीजिए।

ज. **परिचयः-**

पाठ का नाम : हम भारतवासी

लेखक का नाम : श्री आर.पी.निशंक जी

विधा : कविता

रचनाएँ : समर्पण, नवंकूर, जीवन पथ में आदि

विषय प्रवेशः- भारत प्राचीन देश हैं यहाँ की संस्कृति और सभ्यता सारे विश्व को लुभाती है। हम विश्वबंधुत्व और विश्वशांति की पवित्र भावनाओं से दुनिया को पावन धाम बनाना चाहता हैं।

विश्लेषणः- हम भारतवासी दुनिया को पावन धाम बनाना चाहता हैं। मन में श्रद्धा और प्रेम भावना को दिखाता है। ऊँच - नीच का भेद मिटाकर दिल में प्यार बसाते हैं। निराशा को दूरकर विश्वास जगाते हैं।

उलझन में उलझे लोगों को सत्य मार्ग दिखाते हैं। जीवन पथ में भटकनेवालों को मार्गदर्शन देते हैं। हम खुशियों के दीप जलाते हैं। सत्य, अहिसा, त्याग और समर्पण आदि गुण जगाते हैं। जग के सारे कष्ट मिटाकर धरती को स्वर्ग बनाते हैं। संसार में विश्व बंधुत्व का मूल मंत्र फैलाते हैं।

विशेषताः- इस कविता में विश्वबंधुत्व और विश्वशांति की स्थापना करने की प्रेरणा देती हैं।

भाषा की बात

1. तत्सम - तद्भव

तत्सम	तद्भव
1. पवित्र	पावन
2. दीप	दीया
3. प्रिय	प्यारा
3. सत्य	सच

2. सही कारक चिह्न पहचानकर लिखिए।

- हम भारतवासी दुनिया.....पावन धाम बनायेंगे । (का,को,की) ज. को
- हम खुशियों .....दीप जलाते हैं। (के,पर,से) ज. के

3. समास

- पावन धाम – कर्मधारय समास
- ऊँच - नीच – द्वंद्व समास
- विश्वबंधुत्व – तत्पुरुष समास
- भारतवासी – तत्पुरुष समास

4. संधि–विच्छेद

- **पवन – पो + अन**
- **पावन – पौ + अन**
- **निराशा – निः + आशा**

5. एक शब्द में लिखिए।

- भारत में रहनेवाला – भारतवासी
- जो सत्य को पालन करनेवाला – सत्यवान
- देश के प्रति प्रेम रखनेवाला – देशभक्त

6. मुहावरे

- विश्वास जगाना – भरोसा दिलाना
- राह दिखाना – मार्ग दर्शन देना

7. वचन

हमारी हिन्दी

- हम भारतवासी हैं। – मैं भारतवासी हूँ।
- बगीचा बहुत सुंदर है। – बगीचे बहुत सुंदर हैं।
- मन में सुंदर भावना है। – मन में सुंदर भावनाएँ हैं।

8. काल बदलकर लिखिए।

❖ दुनिया को पावन धाम बनायेंगे। **(वर्तमान काल)**

ज. दुनिया को पावन धाम बनाते हैं।

❖ दिल में प्यार बसाते हैं ।**(भूतकाल)**

ज. दिल में प्यार बसाये।

9. विलोम शब्द:

निराशा	**x** आशा	त्याग	**x** स्वार्थ	प्यार	**x** द्वेष
सत्य	**x** असत्य	अहिंसा	**x** हिंसा	अमृत	**x** विष
स्वर्ग	**x** नरक	पवित्र	**x** अपवित्र		

*****

हमारी हिन्दी

शांति की राह में

1. शांति की परिभाषा क्या हो सकती है? अपने शब्दों में लिखिए ।

ज. शांति का केवल यह अर्थ नहीं कि मुख से चुप रहें। मन को नियंत्रित कर उसे बुराई के रास्ते पर चलने से रोकना ही वास्तविक 'शांति' है। जितना मिले उसी में खुश रहना शांति है। दुःख,पीड़ा,लालच आदि को मिटाने का साधन शांति है।

2. नेल्सन मंडेला के जीवन से हमें क्या संदेश मिलता है ?

ज. नेल्सन मंडेला का जन्म 18,जुलाई,1918 को दक्षिण अफ्रीका में हुआ। वे दक्षिण अफ्रीका के प्रथम अश्वेत राष्ट्रपति थे। रंगभेद विरोध के कारण उन्होंने 27 वर्ष रॉबिन द्वीप के कारागार में बिताया। मंडेला के जीवन से हमें शांति की राह में चलने का संदेश मिलता है।

3. मदर तेरेसा ने अपने जीवन में क्या सिद्ध कर दिखाया है ?

ज. मदर तेरेसा का जन्म 26,आगस्त,1910 को युगोस्लेविया में हुआ। वे अनाथों, गरीबों और रोगियों की सेवा करना चाहती थी। उन्होंने सन् 1950 में कोलकत्ता में 'मिशनरीज़ ऑफ चारिटी' की स्थापना की। वे अपने जीवन में सिद्ध कर दिखाया है कि – ' मानव सेवा ही माधव सेवा है।'

4. 'प्रार्थना करनेवाले होठों से कहीं अच्छे सहायता करने वाले हाथ हैं'। पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

ज. मदर तेरेसा हमेशा कहा करती थी- 'प्रार्थना करने वाले होठों से कहीं अच्छे सहायता करने वाले हाथ है।' माने दीन दुःखियों की सेवा करना भगवान की आराधना करने के समान है। मानव सेवा ही माधव सेवा है। परोपकार के पथ पर चलनेवालों को ही वास्तविक जीवन मिलता है।

हमारी हिन्दी

SCAN THIS CODE

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com

SCAN THIS CODE

1. कण-कण का अधिकारी

विधा : - कविता | कवि:-रामधारीसिंह दिनकर

शब्दार्थ:-	
१. ***मनुज***	= मनुष्य, मानव, नर, आदमी, మానవుడు, man
२. ***संचित***	= इकट्ठा, ప్రోగు చేయుట, to collect
३. ***अर्थ***	= धन-दौलत, संपदा, संपत्ति, वित्त, సంపద, wealth
४. ***छल***	= धोखा, మోసం, deception
५. ***भाग्य***	= नसीब, किस्मत, అదృష్టం, luck
६. ***श्रम***	= मेहनत, परिश्रम, శ్రమ, hardwork
७. ***सम्मुख***	= सामने, ముందు, infront of
८. ***पृथ्वी***	= धरती, भूमि, वसुधा, धरा, భూమి, the earth
९. ***विनीत***	= विनयपूर्वक, వినయంగా with humble
१०. ***श्रम-जल***	= स्वेद, पसीना, చెమట sweat
११. ***विजीत***	= विजय, విజయం, victory
१२. ***न्यस्त***	= रखा हुआ, ఉంచబడిన, kept
१३. ***कण-कण***	= अणु, కణము, a particle
१४. ***जन***	= लोग, जनता, प्रजा, మనుష్యులు, people
१५. ***मन***	= दिल, जी, हृदय మనస్సు, heart
१६. ***झूला***	= हिंडोला, ఊయల, a swing
१७. ***जन***	= लोग, प्रजा, जनता, ప్రజలు, people

प्रश्न (4 marks)

1. ‘कण-कण का अधिकारी’ कविता के कवि के बारे में आप क्या जानते हैं?

या

‘श्री रामधारी सिंह दिनकर’ के साहित्य परिचय दीजिए ?

ज. ‘कण-कण का अधिकारी’ कविता के कवि ‘श्री रामधारी सिंह दिनकर’ जी है। उनका जन्म सन् **1908** में बिहार के मुंगेर जिले के सिमरिया गाँव में हुआ। इन्हें हिंदी के राष्ट्रकवि भी कहा जाता है। ‘उर्वशी’ काव्य के लिए इन्हें ‘ज्ञानपीठ पुरस्कार’ से सम्मानित किया गया। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- रेणुका, कुरूक्षेत्र, रश्मिरथी, परशुराम की प्रतीक्षा, रसवंती आदि हैं। इनका निधन सन् **1974** में हुआ।

प्रश्न (3 marks)

1. भाग्यवाद का छल क्या है?

ज. समाज के कुछ लोग पाप कार्य करते हुए धन इकट्ठा करते हैं। उसे दूसरा व्यक्ति धोखा देकर भाग्यवाद के नाम पर भोगता है। यही भाग्यवाद का छल है।

2. नर समाज का भाग्य क्या है ?

(या)

‘नर समाज का भाग्य एक है, वह श्रम, वह भुजबल है।’ जीवन की सफलता का मार्ग श्रम है। अपने विचार व्यक्त कीजिए ?

ज. नर समाज का भाग्य श्रम और भुजबल है। जीवन की सफलता का मार्ग श्रम है। मेहनत ही सफलता की कुँजी है। मेहनत करनेवाला व्यक्ति कभी नहीं हारता। वह हमेशा सफल होता है। श्रम में ही मनुष्य को अपना भाग्य ढूँढ़ लेना है।

3. कण-कण का अधिकारी कौन है ? क्यों ?

ज. कण-कण का अधिकारी श्रमिक है क्योंकि मेहनत ही सफलता की कुँजी है। मेहनत करनेवाला व्यक्ति कभी नहीं हारता। वह हमेशा सफल होता है। जो श्रम करके सफलता पाता है वही कण-कण का अधिकारी है।

4. भाग्य और कर्म में आप किसे श्रेष्ठ मानते है? क्यों ?

ज. भाग्य और कर्म में कर्म को ही मैं श्रेष्ठ मानता हूँ। क्योंकि कर्म करने से सफलता ज़रूर मिलती है। कर्म करने से ही सुख और संपदा प्राप्त होते हैं। भाग्य से नहीं है।

5. श्रम के बल पर हम क्या-क्या हासिल कर सकते हैं ?

ज. मेहनत ही सफलता की कुँजी है। मेहनत करनेवाला व्यक्ति कभी नहीं हारता। वह हमेशा सफल होता है। श्रम के बल पर हम विजय, संपदा, यश, आदर, सुख आदि हासिल कर सकते हैं।

6. कवि मेहनत करनेवालों को सदा आगे रखने की बात क्यों कर रहे हैं ?

ज. कवि मेहनत करनेवालों को सदा आगे रखने की बात कर रहे हैं। क्योंकि कण-कण का अधिकारी श्रमिक ही है। श्रमिक को कभी पीछे नहीं रहने देना है। जीती हुई प्रकृति से उसे सुख पाने देना है।

7. अनुचित तरीके से धन अर्जित करनेवाला व्यक्ति सही है या श्रम करनेवाला ? अपने विचार बताइए।

ज. मानव जीवन में श्रम का बड़ा महत्व है। श्रम करने से ही सच्चा सुख और धन मिलता है। धन को न्याय और धर्म के मार्ग से अर्जित करना है। इसलिए अनुचित तरीके से धन अर्जित करनेवाला व्यक्ति सही नहीं है, श्रम करनेवाला ही सही है।

सारांश (10 marks)

१. 'कण-कण का अधिकारी ' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(या)

कवि ने मज़दूरों के अधिकारों का वर्णन कैसे किया है? अपने शब्दों में लिखिए।

ज. परिचयः-

पाठ का नाम	: कण-कण का अधिकारी
कवि का नाम	: श्री रामधारी सिंह दिनकर जी
विधा	: कविता
जीवनकाल	: 1908–74
रचनाएँ	: रेणुका, कुरूक्षेत्र, रश्मिरथी, रसवंती

हमारी हिंदी

विषय प्रवेशः- मेहनत ही सफलता की कूँजी है। मेहनत करनेवाला व्यक्ति कभी नहीं हारता। वह हमेशा सफ़ल होता है क्योंकि काल्पनिक जगत को साकार रूप देनेवाला वही है। इसके कण-कण के पीछे उसी का श्रम है। इसलिए वही कण-कण का अधिकारी है।

विश्लेषणः- 'कण-कण का अधिकारी' कविता 'कुरूक्षेत्र' नामक काव्य से ली गई है। इसमें भीष्म पितामह द्वारा धर्मराज का उपदेश दिया गया है।

समाज के कुछ लोग पाप कार्य करते हुए धन इकट्ठा करते हैं। उसे दूसरा व्यक्ति धोखा देकर भाग्यवाद के नाम पर भोगता है। यही भाग्यवाद का छल है।

नर समाज का भाग्य श्रम और भुजबल है। जीवन की सफलता का मार्ग श्रम है। मेहनत करनेवालों के आगे भूमि और आकाश झुक जाते हैं माने श्रमिक असंभव कार्य को भी संभव बनाता है।

कवि मेहनत करनेवालों को सदा आगे रखने की बात कर रहे हैं। क्योंकि कण-कण का अधिकारी श्रमिक ही है। श्रमिक को कभी पीछे नहीं रहने देना है। जीती हुई प्रकृति से उसे सुख पाने देना है। प्रकृति मे छिपी हर संपदा मनुष्य का धन है।

विशेषताः- इस कविता में कवि ने श्रम का महत्व का सुंदर वर्णन किया है।

भाषा की बात

1. रेखांकित शब्द का तद्भव रूप पहचानकर लिखिए।

- *एक मनुज संचित करता है।*

मनुष्य	मानव	मनूज

ज. मनुष्य

2. हिंदी अक्षरों में लिखिए।

- **1908** - उन्नीस सौ आठ
- **1974** - उन्नीस सौ चौहत्तर

3. सही कारक चिह्न पहचानकर लिखिए।

- नर समाज --- भाग्य एक हैं। (का,के,की) ज. का
- जो कुछ न्यस्त प्रकृति --- हैं। (में,पर,से) ज. में

सरल हिन्दी

4. वाक्य के आधार पर समास पहचानकर लिखिए।

➢ नर समाज का भाग्य एक है, वह श्रम, वह भुजबल है।

भुजबल – तत्पुरुष समास	नर समाज – द्वंद्व समास

ज. भुजबल – तत्पुरुष समास

➢ श्रम-जल – तत्पुरुष समाास

➢ नर समाज – तत्पुरुष समास

➢ नभ-तल – द्वंद्व समास

➢ कण-कण – अव्ययीभाव समास

➢ जन-जन – अव्ययीभाव समास

5. संधि-विच्छेद कीजिए।

❖ **यद्‍यपी – यदि + अपि**

❖ **पर्यावरण – परि + आवरण**

6. एक शब्द में लिखिए।

❖ जो श्रम करनेवाला – श्रमिक

❖ जो अधिकार करनेवाला – अधिकारी

7. लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

▪ **पुरुष श्रमिक के रूप में मेहनत करते हैं।**

ज. स्त्री श्रमिक के रूप में मेहनत करती हैं।

हमारी हिन्दी

8. वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

- नर समाज का भाग्य एक है।

ज. नर समाज के भाग्य अनेक हैं।

- मज़दूर मेहनत करता है।

ज. मज़दूर मेहनत करते हैं।

- वह मनुज मात्र का धन है।

ज. वे मनुज मात्र के धन हैं।

9. काल बदलकर लिखिए।

❖ एक मनुज संचित करता है। (भविष्यत काल)

ज. एक मनुज संचित करेगा।

❖ नर समाज का भाग्य एक है।(भूतकाल)

ज. नर समाज का भाग्य एक था।

10. शुद्ध रूप में लिखिए।

- नर समाज के भाग्य एक हैं।
- नर समाज का भाग्य एक है।
- वह मनुज मात्र का धन हो।
- वह मनुज का मात्र का धन है।

वार्षिक परीक्षा प्रश्न पत्र में 14 प्रश्न के रूप में <u>पठित पद्यांश</u> पूछेगा।

पठित पद्यांश

14. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

एक मनुज संचित करता है,
अर्थ पाप के बल से,
और भोगता उसे दूसरा,
भाग्य वाद के छल से।
नर समाज का भाग्य एक है,
वह श्रम, वह भुजबल है।
जिसके सम्मुख झुकी हुई-
पृथ्वी,विनीत नभ-तल है।

1.मानव पाप के बल से क्या संचित करता है ? [ ]

A) अर्थ B) छल c) भाग्य D) श्रम

2. नर समाज का भाग्य क्या है ? [ ]

A) मनुज B) अर्थ c) श्रम D) पाप

3. पृथ्वी और नभ किसके सम्मुख झुकते हैं ? [ ]

A) मनुज B) श्रमिक c) नर D) कोई नहीं

4. 'अर्थ' शब्द का अर्थ क्या है ? [ ]

A) मान B) पेड़ c) धन-दौलज D) वर्षा

5. यह पद्यांश किस पाठ से दिया गया है ? [ ]

A) हम भारतवासी B) बरसते बादल c) ईदगाह D) कण-कण का अधिकारी

जिसने श्रम-जल दिया उसे,
पीछे मत रह जाने दो,
विजीत प्रकृति से पहले,
उसको सुख पाने दो।
जो कुछ न्यस्त प्रकृति में है,
वह मनुज मात्र का धन है।
धर्मराज! उसके कण-कण का
अधिकारी जन-जन है।

हमारी हिन्दी

1. कण-कण का अधिकारी कौन है ? [ ]

A) धर्मराज **B)** जन-जन **c)** झन-झन **D)** कोई नहीं

2. किसने श्रम-जल देता है ? [ ]

A) श्रमिक **B)** आलसी **c)** धर्मराज **D)** कोई नहीं

3. किसे पीछे नहीं रहने देना चाहिए ? [ ]

A) धर्मराज **B)** आलसी **c)** श्रमिक **D)** कवि

4. 'सुख' शब्द का विलोम शब्द क्या है ? [ ]

A) आकाश **B)** पेड़ **c)** अंधकार **D)** दुःख

5. उपर्युक्त पद्यांश के कवि कौन है ? [ ]

A) दिनकर **B)** पंत जी **c)** प्रेमचंद **D)** आर.पि.निशंक

***** समाप्त *****

हमारी हिंदी

5. लोकगीत

विधा : - निबंध   लेखक:-भगवत शरण उपाध्याय

शब्दार्थ:-	
१. लोकगीत	= गाँव और देहात के गीत, జానపద గీతాలు, Folk songs
२. लोच	= लचकदार, కోమలమైన, tendernss
३. ताजगी	= ताज़ा, తాజాదనము, freshness
४. ***साधना***	= अभ्यास, సాధన, practise
५. झाँझ	= वादक यंत्र, కంచు వాద్యము, sistrum
६. करताल	= तालियाँ, చప్పట్లు, clapping of the hands
७. बाँसुरी	= मुरली, పిల్లనగ్రోవి,a flute
८. कोरी	= सादा, సామాన్యమైన, plain
९. बखान	= वर्णन, వర్ణన, description
१०. मर्म	= रहस्य, రహస్యం, a secert
११. रोज़मर्रा	= दैनिक, ప్రతి దినము, daily
१२. सेहरा	= पगडी, తలపాగ, turban

प्रश्न (4 marks)

1. 'लोकगीत' निबंध के लेखक के बारे में आप क्या जानते हैं?

या

'भगवतशरण उपाध्याय' के साहित्य परिचय दीजिए ?

ज. 'लोकगीत' पाठ के लेखक श्री भगवत शरण उपाध्याय जी है। इनका जन्म सन् 1910, उत्तर प्रदेश में हुआ। वे हिंदी साहित्य के सुपरिचित रचनाकार हैं। इन्होंने कहानी, कविता, निबंध आदि में अपनी विशेष छाप छोडी हैं। इनकी प्रसिद्ध रचनाएँ–' विश्व साहित्य की रूपरेखा, कालिदास का भारत, गंगा गोदावरी आदि हैं। इनका निधन सन् 1982 में हुआ।

प्रश्न (3 marks)

1. लोकगीत के बारे में आप क्या जानते हैं ? (या)
वास्तविक लोकगीत कैसे होते हैं? (या)
लोकगीत ग्रामीण जनता का मनोरंजक साधन हैं ? कैसे ?

ज. हमारी संस्कृति में लोकगीतों का महत्वपूर्ण स्थान हैं। वास्तविक लोकगीत देश के गाँवों और देहातों में हैं। इनका संबंध देहात की जनता से है। इनमें बड़ी जान होती है। यह ग्रामीण जनता का मनोरंजक साधन हैं। चैता, कजरी, बारहमासा, सावन, पहाड़ी, बाउल और भतियाली आदि प्रसिद्ध लोकगीत हैं। ये त्यौहारों और विशेष अवसरों पर गाये जाते हैं।

2. लोकगीत और संगीत का क्या संबंध है ?

ज. लोकगीत और संगीत का अटूट संबंध है। लोकगीत शास्त्रीय संगीत से भिन्न है। लोकगीत सीधे जनता का संगीत है। इनके लिए साधना की जरूरत नहीं है। ये गीत बाजों की मदद के बिना ही गाये जाते हैं। इनका राग बड़ा आकर्षक होता है।

3. 'पहाड़ी' किसे कहा जाता है ?

ज. पहाड़ी प्राँतों में रहनेवालों को 'पहाड़ी' कहा जाता है। इनके अपने-अपने गीत हैं। उनके अपने-अपने भिन्न रूप भी हैं। गढ़वाल, किन्नौर, काँगड़ा आदि प्रसिद्ध गीत हैं। उन्हें गाने की अपनी-अपनी विधियाँ हैं। उनका अलग नाम ही 'पहाड़ी' पड़ गया है।

4. 'बारहमासा' लोकगीतों के बारे में आप क्या जानते हैं ?

ज. बारहमासा लोकगीत बारह महीनों में गाये जाते हैं। ये गीत विरह वर्णन के लिए बहुत प्रसिद्ध हैं। ये गीत पुरुषों के साथ नारियाँ भी गाती हैं। आषाढ़ मास में बारहमासा गीत प्रारंभ हो जाता है। विरहिणी स्त्री अपनी प्रियतम का स्मरण कर गीत गाती है।

5. 'बिदेसिया' लोकगीत के बारे में आप क्या जानते हैं ?

ज. बिदेसिया लोकगीत बिहार और भोजपुरी में बहुत प्रसिद्ध है। भोजपुरी में करीब तीस-चालीस बरसों 'बिदेसिया' का प्रचार हुआ है। ये गीत देहातों में फिरते गाते हैं। इन लोकगीतों में प्रिय और प्रियाओं की बात रहती हैं। इनमें परदेशी प्रेमी, करुणा और विरह का रस बरसता है।

6. स्त्रियों के लोकगीत कैसे होते हैं ?

ज. भारत में स्त्रियों के लोकगीत भी अनंत हैं। इनके संबंध स्त्रियों से हैं। ये गीत स्त्रियों ही लिखती है और गाती हैं। ये गीत त्यौहारों पर नदियों में नहाते समय, राह के, विवाह के, मटकोड़ आदि अवसरों पर गाये जाते हैं। ये ढोलक की मदद से गाती हैं। गाने के साथ नाच का भी पुट होता है।

7. लोकगीत किसके प्रतीक हैं ?

ज. वास्तव में लोकगीत अनंत प्रकार के हैं। जीवन को जहाँ स्वेच्छा होती है, वहाँ खुशी होती है। वहाँ आनंद स्त्रोतों की कमी नहीं होती। स्वेच्छा जीवन ही अनंत लोकगीतों के प्रतीक है। लोकगीत वहाँ स्वेच्छा जीवन के दर्पण हैं।

सारांश (10 marks)

१. 'लोकगीत' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

या

लोकगीतों में मुख्यतः ग्रामीण जनता का मार्मिक भावनाएँ हैं। स्पष्ट कीजिए।

ज. **परिचयः-**

पाठ का नाम	: लोकगीत
लेखक का नाम	: श्री भगवतशरण उपाध्याय
विधा	: निबंध
जीवनकाल	: **1910—1982**
रचनाएँ	: विश्व साहित्य की रूपरेखा, कालिदास का भारत, गंगा गोदावरी आदि

विषय प्रवेशः- हमारी संस्कृति में लोकगीत और संगीत का अटूट संबंध है। मनोरंजक दुनिया में लोकगीतों का महत्वपुर्ण स्थान है। गीत-संगीत के बिना हमारा मन रसा से नीरस हो जाता है। प्रस्तुत निबंध में भारतीय लोकगीतों का सुंदर वर्णन किया गया है।

विश्लेषणः- हमारी संस्कृति में लोकगीतों का महत्वपूर्ण स्थान हैं। वास्तविक लोकगीत देश के गाँवों और देहातों में हैं। इनका संबंध देहात की जनता से है। इनमें बड़ी जान होती है। यह ग्रामीण जनता का मनोरंजक साधन हैं। चैता, कजरी, बारहमासा, सावन, पहाड़ी, बाउल और भतियाली आदि प्रसिद्ध लोकगीत हैं। ये त्यौहारों और विशेष अवसरों पर गाये जाते हैं।

लोकगीत शास्त्रीय संगीत से भिन्न है। लोकगीत सीधे जनता का संगीत है। इनके लिए साधना की जरूरत नहीं है। ये गीत बाजों की मदद के बिना ही गाये जाते हैं। इनका राग पीलू, सारंग, दुर्गा, सोरठ आदि बड़ा आकर्षक होता है।

प्राँत	-	लोकगीत
➢ बंगाल	-	बाउल और भतियाली
➢ पंजाब	-	माहिया
➢ राजस्थान	-	ढोला-मारू
➢ बिहार और भोजपुरी	-	बिदेसिया
➢ गुजराज	-	गरबा

भारत में स्त्रियों के लोकगीत भी अनंत हैं। इनके संबंध स्त्रियों से हैं। ये गीत स्त्रियों ही लिखती है और गाती हैं। ये गीत त्यौहारों पर नदियों में नहाते समय, राह के, विवाह के, मटकोड़ आदि अवसरों पर गाये जाते हैं। ये ढोलक की मदद से गाती हैं। गाने के साथ नाच का भी पुट होता है।

वास्तव में लोकगीत अनंत प्रकार के हैं। स्वेच्छा जीवन ही अनंत लोकगीतों के प्रतीक है। लोकगीत वहाँ स्वेच्छा जीवन के दर्पण हैं।

विशेषताः- इस निबंध में भारतीय लोकगीतों का सुंदर वर्णन किया गया है।

भाषा की बात

1. रेखांकित शब्द का तद्भव रूप पहचानकर लिखिए।

- *लोकगीत सीधे जनता के संगीत है।*

लेख	लोख	लोग

ज. लोग

तत्सम	तद्भव
1. नृत्य	नाच
2. क्षेत्र	खेत
3. ग्राम	गाँव
4. प्रिय	प्यारा
5. कार्य	काज
6. विवाह	ब्याह

2. क्रियाविशेषण शब्द पहचानकर लिखिए।

- वहाँ के अनंत संख्यक गाने के प्रतीक हैं - वहाँ
- मनोंरंजक दुनिया में आज भी लोकगीत प्रसिद्ध है। - आज
- सदा से ये गाये जाते रहे हैं। - सदा

3. हिंदी अक्षरों में लिखिए।

- **1910** - उन्नीस सौ दस
- **1982** - उन्नीस सौ बयासी

4. सही कारक चिह्न पहचानकर लिखिए।

- पहाडियों----अपने अपने गीत हैं। (का,के,की) ज. के
- लोकगीतों ----कई प्रकार हैं। (में,के,से) ज. के
- इस--नाच गान साथ-साथ चलते हैं। (में,पर,से) ज. में

5. वाक्य के आधार पर समास पहचानकर लिखिए।

➢ आल्हा-ऊदल की वीरता का अपने महाकाव्य में बखान किया।

महाकाव्य - तत्पुरुष समास	आल्हा-ऊदल - द्वंद्व समास

ज. आल्हा-ऊदल - द्वंद्व समास

- ➢ महाकाव्य – कर्मधारय समाास
- ➢ महाकवि – कर्मधारय समास
- ➢ लोकगीत – तत्पुरूष समास

6. रेखांकित शब्द का संधि–विच्छेद कीजिए।

- लोकगीत ग्रामीण जनता के मनोरंजक साधन है।

ज. मनः+रंजक

- **यद्‍यपि – यदि + अपि**
- **पद्‍यात्मक – पद्‍य + आत्मक**

7. एक शब्द में लिखिए।

- ❖ गाँव में रहनेवाला – ग्रामीण
- ❖ जो गीत गानेवाला – गीतकार
- ❖ जो गीत गाँव और देहात में गाते हैं – लोकगीत

8. रेखांकित मुहावरे का अर्थ क्या है ?

○ लोकगीतों के संग्रह पर <u>कमर बाँधी</u> है।

दु:खी होना	तैयार होना	घर जाना

ज. तैयार होना

- ➢ ***बखान करना - वर्णन करना***

9. लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

- **स्त्रियाँ ढोलक की मदद से गाती हैं।**

ज. पुरूष ढोलक की मदद से गाते हैं।

- औरतें दल बाँधकर नाचतीं हैं।

ज. आदमी दल बाँधकर नाचते हैं।

10. *वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।*

- लोकगीतों के कई प्रकार हैं।

ज. लोकगीत का एक प्रकार है।

- पहाडियों के अपने-अपने गीत हैं।

ज. पहाडी का अपना–अपना गीत है।

11. काल बदलकर लिखिए।

- एक समय था। (वर्तमानकाल)

ज. एक समय है।

- लोकगीतों के कई प्रकार हैं।(भूतकाल)

ज. लोकगीतों के कई प्रकार थे।

12. शुद्ध रूप में लिखिए।

- लोकगीतों का कई प्रकार हैं।

ज. लोकगीतों के कई प्रकार हैं।

- स्त्रियॉं ढोलक की मदद से गाते हैं।

ज. स्त्रियॉं ढोलक की मदद से गाती हैं।

विलोम शब्दः	उपसर्गः	प्रत्ययः
1. सजीव X निर्जीव	1. संगीत – सम्	1- वास्तविक – इक
2. परदेशी X स्वदेशी	2- अशास्त्रीय– अ	2- राजस्थानी– ई
3- शास्त्रीय X अशास्त्रीय	3- परदेशी – पर	3- उल्लासित– इत
4- महत्वपूर्ण X महत्वहीन	4- नीरस – नी	3- अधिकतर – तर

6. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी

विधा : - पत्र लेखन

शब्दार्थ:-
१. स्वतंत्रता = आजादी, స్వాతంత్ర్యము, Independence
२. संग्राम = युद्ध, యుద్ధం, a war
३. चेतावनी = सतर्क, హెచ్చరిక, alert
४. आमंत्रण = निमंत्रण, ఆహ్వానం, an invitation
५. जिज्ञासा = जानने की इच्छा, కుతుహలం, curiosity
६. साध्य = संभव, సంభవం, possible
७. सभ्यता = तमीज, మర్యాద, manners
८. प्रतीक = चिह्न, గుర్తు, symbol
९. रोजगार = व्यवसाय, नौकरी, వృత్తి, profession
१०. चयन = चुनना, ఎంపిక, collection
११. तत्पर = तैयार, उद्यत, సంసిద్ధత, ready
१२. रोशन = प्रकाश, కాంతి, bright
१३. भाषा = बोली, वाणी, वाक् భాషా, language
१४. संकल्प = दृढ़ निश्चय,, సంకల్పం, resolution
15. समाधान = जवाब,उत्तर, సమాధానం, answer

प्रश्न (3 marks)

1. भारत देश को स्वतंत्र कराने में हिन्दी भाषा का क्या योगदान रहा होगा?

ज. भारत देश को स्वतंत्र कराने में हिन्दी भाषा का बड़ा योगदान रहा है। देश को एकता के सूत्र में बाँधने के लिए हिन्दी की आवश्यकता हुई। एक-दूसरे की भावनाओं को समझने के लिए हिन्दी की जरूरत पडी। महात्मा गाँधी जी के द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी भाषा को एक हथियार के रूप में अपनाया गया।

2. हिन्दी भाषा की क्या विशेषता है ? (या)

हिन्दी भारतीयों की साँसों में बसी भाषा है। अपने विचार स्वष्ट कीजिए।

ज. हिन्दी भाषा की बड़ी विशेषता है। इसकी लिपि 'देवनागरी' है। इसमें जो लिखा जाता है वही पढ़ा जाता है। यह सरल और सुबोध भाषा है। यह भारतीयों की साँसों में बसी भाषा है। यह सबकी संस्कृति और सभ्यता व गरिमा का प्रतीक है। भारत के अलावा कई देशों में हिन्दी की माँग बढ़ती ही जा रही है।

3. हिन्दी भाषा सीखने से क्या-क्या लाभ है ?

ज. हिन्दी भाषा सीखने से कई लाभ हैं-

- देश की एकता बढ़ती हैं।
- बैंक,मीडिया,फिल्म उद्योग आदि में रोजगार मिलती है।
- हिन्दी साहित्य का उत्तम ज्ञान प्राप्त होते हैं।
- सारे भारत की पहचान अच्छी तरह कर सकते हैं।
- हिन्दी से अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

4. 'हिन्दी विश्व भाषा है।' इस कथन के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

ज. 'हिन्दी विश्व भाषा है।' क्योंकि आज हिन्दी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शोभित है। भारत के अलावा कई देशों में हिन्दी की माँग बढ़ती ही जा रही है। विदेशों में भी हिन्दी की रचनाएँ लिखी जा रही है। आज विश्व भर में करीब 150 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी संबंधी कार्सों का संचालन कर रहे हैं।

5. 'भारत में अनेकता में एकता का प्रतीक हिन्दी है।' कैसे? (या)

सांस्कृतिक दृष्टि से हिन्दी का क्या महत्व है ? (या)

हिन्दी देश को जोड़ने वाली खड़ी है। इसे अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

ज. भारत में कई धर्म और जाति के लोग रहते हैं। भारत की विशेषता अनेकता में एकता है। भिन्न संस्कृति और भाषा होने पर भी हिन्दी के माध्यम से एकता बढ़ती है। सांस्कृतिक दृष्टि से हिन्दी का बड़ा महत्व है। हिन्दी देश को एकता के सूत्र में बाँधती है। इसलिए हिन्दी देश को जोड़ने वाली खड़ी है।

6. भारतीय संविधान ने हिन्दी को किस प्रकार गौरवान्वित किया है ? (या) हिन्दी दिवस कब मनाते है? और क्यों ?

ज. हिन्दी दिवस 14, सितंबर को मनाते हैं। क्योंकि भारतीय संविधान ने 343 (1) के तहन हिन्दी को 14, सितंबर,1949 को राजभाषा के रूप में गौरवान्वित किया है। तब से हर वर्ष 14, सितंबर को हिन्दी दिवस मनाते हैं।

7. भारत के अलावा किन-किन देशों में हिन्दी की माँग बढ़ती जा रही है ?

ज. आज भारत के अलावा बंग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार, फिजी, गुायाना, दक्षिण अफ्रिका, अमेरिका, जर्मनी, जापान, इग्लैंड आदि देशों में हिन्दी की माँग बढ़ती ही जा रही है। यहाँ के विश्व विद्यालयों में भी हिन्दी पढ़ाई जा रही हैं।

सारांश (10 marks)

9. 'अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

या

राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से हिन्दी महत्वपूर्ण भाषा हिन्दी है। इस पर अपना विचार स्पष्ट कीजिए।

ज. **परिचयः-**

पाठ का नाम : अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी

विधा : पत्र लेखन

विषय प्रवेशः- हिन्दी भारतीयों की साँसों में बसी भाषा है। यह सबकी संस्कृति और सभ्यता व गरिमा का प्रतीक है। अब हिन्दी विश्व भाषा बन चुकी है। संसार के विविध क्षेत्रों में हिन्दी करोडों लोगों की जीविका बन चुकी है।

विश्लेषणः- भारत देश को स्वतंत्र कराने में हिन्दी भाषा का बड़ा योगदान रहा है। देश को एकता के सूत्र में बाँधने के लिए हिन्दी की आवश्यकता हुई। एक-दूसरे की भावनाओं को समझने के लिए हिन्दी की जरूरत पडी। महात्मा गाँधी जी के द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी भाषा को एक हथियार के रूप में अपनाया गया।

हिन्दी भाषा की बड़ी विशेषता है। इसकी लिपि 'देवनागरी' है। इसमें जो लिखा जाता है वही पढ़ा जाता है। यह सरल और सुबोध भाषा है। भारत के अलावा कई देशों में हिन्दी की माँग बढ़ती ही जा रही है।

हिन्दी दिवस 14, सितंबर को मनाते हैं। क्योंकि भारतीय संविधान ने 343 (1) के तहन हिन्दी को 14, सितंबर,1949 को राजभाषा के रूप में गौरवान्वित किया है। तब से हर वर्ष 14, सितंबर को हिन्दी दिवस मनाते हैं। 10, जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाता है।

आज भारत के अलावा बंग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार, फिजी, गुायाना, दक्षिण अफ्रिका, अमेरिका, जर्मनी, जापान, इग्लैंड आदि देशों में हिन्दी की माँग बढ़ती ही जा रही है। यहाँ के विश्व विद्यालयों में भी हिन्दी पढ़ाई जा रही हैं।

हिन्दी भाषा सीखने से कई लाभ हैं-

- ❖ देश की एकता बढ़ती हैं।
- ❖ बैंक,मीडिया,फिल्म उद्योग आदि में रोजगार मिलती है।
- ❖ हिन्दी साहित्य का उत्तम ज्ञान प्राप्त होते हैं।
- ❖ सारे भारत की पहचान अच्छी तरह कर सकते हैं।
- ❖ हिन्दी से अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

विशेषताः- इस पत्र लेखन में हिन्दी भाषा के महत्व के बारे में बताया गया है

भाषा की बात

1. रेखांकित शब्द का तद्भव रूप पहचानकर लिखिए।

- *हिन्दी भारतीयों को एकता के सूत्र में बाँधती है।*

सूत्र	सूत	सुत

ज. सूत

2. क्रियाविशेषण शब्द पहचानकर लिखिए।

- ❖ वहाँ के साहित्यकारों का भी विशेष योगदान है। - वहाँ
- ❖ आज हिन्दी विश्व भाषा बन चुकी है - आज

3. हिंदी अक्षरों में लिखिए।

- **1949** - उन्नीस सौ उनचास
- **1947** - उन्नीस सौ सतहत्तर

4. सही कारक चिह्न पहचानकर लिखिए।

- 14,सितंबर----हिन्दी दिवस मनाते हैं। (का,को,की) ज. को
- हिन्दी अंतर्राष्ट्रीय स्तर ----शोभित हैं। (में,के,पर) ज. पर
- अपने स्वास्थ्य --पूरा ध्यान रखना। (का,पर,से) ज. का

5. वाक्य के आधार पर समास पहचानकर लिखिए।

➢ हिन्दी राजभाषा के रूप में गौरवान्वित किया गया।

राजभाषा - तत्पुरुष समास	गौरवान्वित - द्वंद्व समास

ज. राजभाषा - तत्पुरुष समास

- देश-विदेश - द्वंद्व समास

6. रेखांकित शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।

- हिन्दी राजभाषा के रूप में गौरवान्वित किया गया

ज. **गौरव+आन्वित**

- **विद्यालय – विद्या + आलय**
- **अंतर्राष्ट्रीय – अंतः + राष्ट्रीय**

7. एक शब्द में लिखिए।

- भारत में रहनेवाला – भारतीय
- जो विश्व के सभी देशों से जुड़ा हो – अंतर्राष्ट्रीय
- जिसके बराबर कोई दूसरा न हो – अद्वितीय

8. रेखांकित मुहावरे का अर्थ क्या है ?

○ गाँधी जी ने हिन्दी की सेवा केलिए कमर कस ली।

दुःखी होना	तैयार होना	घर जाना

ज. तैयार होना

9. लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

- **छात्र पाठ पढ़ता है।**

ज. छात्रा पाठ पढ़ती है।

- **लड़की मंदिर जाती है।**

ज. लड़का मंदिर जाता है।

10. वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

- वह भाषा सीखती है।

ज. **वे भाषाएँ सीखती हैं।**

● यह हिन्दी की संस्था है।

ज. ये हिन्दी की संस्थाएँ हैं।

11. काल बदलकर लिखिए।

❖ हिन्दी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शोभित है। (भूतकाल)

ज. हिन्दी अंतराष्ट्रीय स्तर पर शोभित था।

❖ देश में अलग-अलग भाषाएँ बोली जाती हैं।(भविष्यतकाल)

ज. देश में अलग-अलग भाषाएँ बोली जायेंगी।

12. शुद्ध रूप में लिखिए।

- तुम कैसे हैं ?

ज. तुम कैसे हो ?

- मैं मेरी पुस्तक पढ़ती हूँ।

ज. मैं अपनी पुस्तक पढ़ती हूँ।

विलोम शब्दः		उपसर्गः		प्रत्ययः	
1. एकता	X अनेकता	1. सकुशल	- स	1- भारतीय	- ईय
2. स्वदेश	X विदेश	2- अनुक्रम	- अनु	2- स्वतंत्रता	- ता
3- प्राचीन	X नवीन	3- अनुचित	- अन्	3- वार्षिक	- इक
4- स्वास्थ्य	X अस्वास्थ्य	4- विदेश	- वि	3- खुशी	- ई

हमारी हिन्दी

दो कलाकार (उपवाचक)

1. अरुणा व चित्रा दोनों के स्वभाव के बारे में आप क्या जानते हैं।

ज. अरुणा व चित्रा के स्वभावक में बहुत अंतर है।-

चित्रा ललितकला प्रेमी है। वह बहुत अच्छी तरह चित्रकारी करती है। चित्रा के उद्देश्य में 'कला कला के लिए है, न कि जीवन के लिए।' समाज में होनेवाली घटनाओं को वह अपने चित्रों में प्रदर्शित करती थी। यही उसका स्वभाव है।

अरुणा समाज सेविका है। वह बहुत अच्छी तरह समाज सेवा करती है। अरुणा के उद्देश्य में ' कला जीवन के लिए है, न कि कला के लिए।' वह मानवतामूर्ति है। वह गरीब और अनाथों की मदद करती है। यही उसका स्वभाव है।

2. चित्रा ने विदेश जाकर क्या किया? आपके विचार में उसका विदेश जाना सही था? क्यों ?

ज. चित्रा विदेश जाकर तन-मन से अपनी चित्रकला को सँवार ली। अपनी लगन से उसकी कला को निखार दिया। विदेश में उसकी चित्रों की धूम मच गयी। भिकारिन और दो अनाथ बच्चों के चित्रों ने उसे ऊँचा उठा दिया।

- ❖मेरे विचार में उसका विदेश जाना अच्छा नहीं था। क्योंकि वह यही रहकर अपनी कला को सँवार कर और अनाथों की देखबाल करे तो अच्छा होगा।

3. अरुणा की ममता पर अपने विचार बताइए।

ज. अरुणा एक समाज सेविका है। वह सचमुच अनाथों के नाथ है। अपनी सहेली चित्रा से बेहद प्यार करती है। गरीब बच्चों को अवकाश के समय पढ़ाती है। बाढ़ग्रस्त लोगों की सेवा में चंदा जमा करती है। भिकारिन मर गयी तो उसके दो बच्चों की माँ बन गयी है। इसप्रकार अरुणा ममतामूर्ति और करुणामयी है।

हमारी हिन्दी

SCAN THIS CODE

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com

SCAN THIS CODE

7. भक्ति पद

विधा : कविता

रैदास, मीराबाई

शब्दार्थ:-	
१. प्रभु	= भगवान, ईश्वर , god, భగవంతుడు
२. बास	= खुशबु, fragrance, సువాసన
३. घन	= बादल,मेघ, clouds, మేఘం
४. मोरा	= मयूर, मयूखा, a peacock, నెమలి
५. मोती	= मौक्तिक, pearl, ముత్యం
६. धन	= संपदा, संपत्ति , wealth, సంపద
७. अमोलक	= अमूल्य, priceless,అమూల్యమైన
८. जग	= दुनिया, संसार, world,ప్రపంచం
९. सत	= सच,सत्य, truth,సత్యం
१०. खेवटिया	= नाविक, boatman, నావికుడు
११. नागर	= चतुर, clever, చతురుడు
१२. गिरिधर	= श्रीकृष्ण, lord krishna,శ్రీకృష్ణుడు

प्रश्न (4 marks)

1. रैदास जी का जीवन परियच के बारे में लिखिए ?

ज. 'भक्ति पद' पाठ के कवि श्री रैदास जी थे। इनका जन्म सन् 1482 में वारणासी में हुआ। वे ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि थे। इनके पद 'गुरु ग्रंथ साहिब' में संकलित हैं। इसकी असली नाम रविदास था। इनके गुरु रामानंद थे। इनका निधन सन् 1527 में हुआ था।

2. मीराबाई का साहित्य परिचय के बारे में लिखिए ?

ज. 'भक्ति पद' पाठ की कवयित्री मीराबाई थी। इनका जन्म सन् 1498 में पाली में हुआ। मीरा श्री कृष्णा की उपासना करती थी। उनके पति राजा भोजराज थे। श्रीकृष्ण के प्रति उनकी भक्ति माधुर्य भाव की थी। इनकी प्रसिद्ध रचना 'मीराबाई पदावली' थी। इनके गुरु रैदास थे। इनका निधन सन् 1573 में हुआ था।

प्रश्न (3 marks)

3. प्रभु के प्रति रैदास की भक्ति कैसी है?

ज. प्रभु के प्रति रैदास की भक्ति दास्य भाव की थी। वे निराकार ब्रह्मा की उपासना करते थे। प्रभु स्वामी हो, तो रैदास दासा है। प्रभु मोती हो, तो रैदास धागा बन जाता है। इसप्रकार उनकी भक्ति निर्गुण मार्ग है।

4. कवि ने अपने आपको मोर क्यों माना होगा ?

ज. कवि ने अपने आपको मोर माना है। क्योंकि मेघ को देखकर मोर बहुत प्रसन्न होता है। वर्षा के समय अपने आपको भूलकर नाचता है। उसी प्रकार कवि भी प्रभु को देखकर तन्मय हो जाता है। इसलिए कवि अपने को मोर और भगवान को मेघ माना है।

5. संत किसे कहते है ?

ज. सदा भगवान का नाम स्मरण करनेवाले को 'संत' कहता है। वे मुख्यतः साधु या सन्यासी हैं। वे सदा भगवान को पाने का रास्ता बताता है। वे धर्मबद्ध जीवन बीताने वाले धार्मिक पुरुष हैं। संत लोग परोपकारी है।

6. श्रीकृष्ण के प्रति मीरा की भक्ति कैसी है ?

ज. मीरा श्री कृष्ण की उपासना करती थी। वे कृष्णमार्गी शाखा के प्रमुख कवयित्री थी । श्री कृष्ण के प्रति उनकी भक्ति माधुर्य भाव की थी। मीरा के पदों का मूल विषय है - श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति भावना थी। मीरा की भक्ति महान और सगुण थी।

7. हमारे जीवन में भक्ति भावना का क्या महत्व हैं?

ज. हमारे जीवन में भक्ति भावना का बड़ा महत्व हैं। भगवान हमारी भूलों को माफ़ कर देता हैं। भक्ति भावना से जीवन सुखदायक बन जाता है। भक्ति से मन शुद्ध होता है। समाज में शांति की स्थापना होती है।

8. रैदास और मीरा की भक्ति भावना में क्या अंतर हैं?

ज. रैदास के प्रभु निराकार है। वे ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि है। भगवान के प्रति उनकी भक्ति दास्य भाव है। उनकी भक्ति भावना निर्गुण है।

मीरा श्री कृष्ण की उपासना करती है। वे कृष्णमार्गी शाखा के प्रमुख कवयित्री है। श्री कृष्ण के प्रति उनकी भक्ति माधुर्य भाव की है।

9. रैदास प्रभु और भक्त की तुलना किन-किन चीजों से की हैं?

ज. रैदास प्रभु की तुलना - चंदन, घन, चंद्र, मोती, सोना और स्वामी से की है।

रैदास भक्त की तुलना - पानी, मोर, चकोर, धागा, सुहागा और दास से की है।

सारांश (10 marks)

1. 'मीरा के पद' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए?

ज. पाठ : भक्ति पद

कवयित्री : मीराबाई

जीवनकाल : 1498-1573

रचना : मीराबाई पदावली

मीरा श्रीकृष्ण की उपासना करती थी। श्रीकृष्ण के प्रति उनकी भक्ति माधुर्य भाव की थी। उनके गुरु रैदास है। प्रस्तुत पद में उन्होंने गुरु की महिमा का वर्णन किया है। मीरा कहती है कि-

' मैं राम रत्न रूपी धन पायी हूँ। यह अमूल्य वस्तु है। मेरे सद्गुरू ने कृपा के साथ मुझे दी है। यह जन्म-जन्म की पूँजी है। यह खर्च नहीं होती, चोर नहीं होते। यह दिन-दिन सवाये मूल्य बढती जाती है।

भगवपन सत्य रूपी नाव के समान है। इसके नाविक सद्गुरू हैं। इसलिए मैं इस संसार सागर को पार कर सकती हूँ। मीरा के प्रभु गिरिधर नागर श्रीकृष्ण हैं। मैं खूब प्रसन्नता के साथ गाती हूँ।

विशेषता: इस पद का राग श्री रंजनी और भाषा ब्रजभाषा है।

1. 'रैदास की चौपाइयों' का भाव अपने शब्दों में लिखिए?

ज. पाठ : भक्ति पद

कवि : रैदास

जीवनकाल : 1482-1527

विशेषता : ज्ञानमार्गी शाखा

रैदास के प्रभु निराकार है। वे ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि है। भगवान के प्रति उनकी भक्ति दास्य भाव है। उनकी भक्ति भावना निर्गुण है।

रैदास कहते हैं कि-

- हे प्रभु आप चंदन है तो हम पानी हैं। चंदन की तरह अंग-अंग में सुगंध है। मैं पानी बनकर उस चंदन के साथ रहना चाहता हूँ।

- हे प्रभु आप बादल है तो हम मोर हैं। जिस प्रकार चकोर चांद को देखता है। उसी प्रकार मैं आपको देखकर तन्मय हो जाता हूँ।
- हे प्रभु आप मोती है तो हम धागा हैं। जैसे सोने में सुहागा है। आप से मिलकर ही मेरी सुंदरता बढ़ती हैं।
- हे प्रभु आप स्वामी है तो हम दास हैं। मैं आपके प्रति समर्पित हूँ। यही मेरी भक्ति है।

विशेषताः इस चौपाई में निर्गुण भक्ति का महत्व बताया है।

भाषा की बात

1. तत्सम – तद्भव

	तत्सम	तद्भव
1.	कृपा	किरपा
2.	रत्न	रतन
3.	मौक्तिक	मोती
4.	चन्द्र	चाँद
5.	वन	बन

2. क्रिया विशेषणः

- मीरा सुंदर गाती है। – सुंदर
- घोड़ा तेज दौडता है। – तेज

3. हिंदी अक्षरों में लिखिए।

- **1482** – चौदह सौ बयासी
- **1527** – पंद्रह सौ सत्ताईस
- **1498** – चौदह सौ अठानवे
- **1573** – पंद्रह सौ तिरहतर

4. कारक चिह्न

- जनम-जनम ..... पूँजी पायी। (का, के, की) - ज. की
- मीरा ..... प्रभु गिरधर नागर। (का, के, की) - ज. के

❖ सत ..... नाव खेवटिया सतगुरु। (का, के, की) - ज. की

❖ जग ..... सभी खोवायो। (को, में, की) - ज. में

5. समास

❖ भवसागर – कर्मधारय समास

❖ गिरिधर – बहुव्रीहि समास

6. संधि–विच्छेद

- पदावली = पद + आवली
- कृष्णोपासक = कृष्ण + उपासक

7. अनेक शब्दों केलिए एक शब्द

❖ जो कविता लिखनेवाली – कवयित्री

❖ जो भगवान का नाम स्मरण करनेवाला – भक्त/संत

8. मुहावरे का अर्थ

- यश गाना = प्रशंसा करना
- श्री गणेश करना = प्रारंभ करना

9. वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

❖ मोती सागर में मिलता है। – मोती सागर में मिलते हैं।

❖ धागे से माला बनती है। – धागे से मालाएँ बनती हैं।

❖ मोर सुंदर पक्षी है।– मोर सुंदर पक्षी हैं।

10. लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

- गुरु कविता लिखता है। – गुरुआइन कविता लिखती है।
- वह राम का भक्त है। – वह राम की भक्तिन है।
- मोर सुंदर पक्षी है। – मोरनी सुंदर पक्षी है।

11. काल बदलना:

- मीरा श्रीकृष्ण की उपासना करती थी। (वर्तमान काल)
  ज. मीरा श्रीकृष्ण की उपासना करती है।
- रैदास पद लिखता है। (भविष्यत काल)
- ज. रैदास पद लिखेगा।

12. शुद्ध वाक्य:

- मीरा श्रीकृष्ण की उपासना करता था।
  ज. मीरा श्रीकृष्ण की उपासना करती थी।
- रैदास भक्तिकाल की कवि है।
  ज. रैदास भक्तिकाल के कवि हैं।

विलोम शब्द:

- स्वामी x दास
- गुरू x शिष्य
- सच x झूठ
- खोना x पाना
- दिन x रात

* * *

हमारी हिन्दी

8. स्वराज्य की नींव

विधा : - एकांकी   लेखक:-विष्णु प्रभाकर

शब्दार्थ:-	
१. स्वराज्य	= स्वतंत्रता, स्वशासन, స్వాతంత్ర్యము , independence
२. नींव	= मूल, పునాది, foundation
३. मर्दानी	= औरत,स्त्री,नारी స్త్రీ, women
४. *जूझना*	= लडना, పోరాడుట, to struggle
५. लपट	= ज्वाला, అగ్నిజ్వాల, flame
६. मशगूल	= लगा हुआ, व्यस्त, పనిలో లీనమైన, involve in work
७. छुआछुत	= अस्पृश्यता, అంటరానితనం, untouchalility
८. दुतकारना	= तिरस्कार, తిరస్కరించుట, to snap
९. ठोकर	= मारना, ఎదురుదెబ్బ. a kick
१०. नींद	= निद्रा, నిద్ర sleep
११. खाई	= कंदक, కందకము, trench
१२. शंका	= संदेह, అనుమానం, doubt
१३. पायल	= नूपुर,पाजेब, కాలిగజ్జెలు, anklets
१४. तोप	= फिरंगी, ఫిరంగి, cannon
१५. विलासिता	= सुख-आराम, విలాసం ,luxury
१६. चाटुकार	= तारीफ करनेवाला, ముఖస్తుతి చేయువాడు, flatterer

प्रश्न (4 marks)

1. 'स्वराज्य की नींव' एकांकी के लेखक के बारे में आप क्या जानते हैं?

या

'विष्णु प्रभाकर जी' के साहित्य परिचय दीजिए ?

ज. 'स्वराज्य की नींव' पाठ के लेखक श्री विष्णु प्रभाकर' जी है। इसका जन्म 21 जून, सन् 1912 में उत्तरप्रदेश के मीरापुर में हुआ। वे आदर्शप्रिय व्यक्ति थे। इन्हें प्रेमचंद परंपरा के 'आदर्शोन्मुख यथार्थवाद' लेखक है। 'आवरा मसीहा' नामक रचना पर इन्हें 'सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। भारत सरकार ने इन्हें 'पद्मभूषण' से सम्मानित किया है।

प्रश्न (3 marks)

1. लक्ष्मीबाई को किस बात की चिंता सता रही है ?

ज. लक्ष्मीबाई को इस बात की चिंता सता रही है- 'झान्सी उनके हाथ से निकल गई। उसके पास तात्य जैसे सेनापति होने पर भी सेना में अनुशासन नहीं है। रावसाहब विलासिता में व्यस्त है।'

2. लक्ष्मीबाई तात्या से क्यों नाराज़ थी? तात्या ने उन्हें क्या आश्वासन दिया ?

ज. तात्या लक्ष्मीबाई का सेनापति है। लेकिन वह सेना का ख्याल नहीं रखता। इसलिए लक्ष्मीबाई तात्या से नाराज़ थी। तात्या ने उन्हें आश्वासन दिया कि-'आप जो कहेंगी वही करूँगा। जो योजना बनाएँ, उसी पर चलूँगा।

3. लक्ष्मीबाई साहसी नारी थी। उदाहरण के द्वारा स्पष्ट कीजिए?

ज. लक्ष्मीबाई वीरांगना और साहसी नारी थी। श्रीमती सुभद्राकुमारी चौहान जी ने कहा कि-'खूब लडी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी। लक्ष्मीबाई ने यह सिद्ध कर दिखया कि अबला हमेशा अबला नहीं रहती, आवश्यकता पड़ने पर सबला भी बन सकती है।

4. बाबा गंगादास ने रानी लक्ष्मीबाई से क्या कहा था?

ज. बाबा गंगादास ने रानी लक्ष्मीबाई से कहा था कि – ' जब तक हमारे समाज में छुआछुत और उँच-नीच का भेद नहीं मिट जाता, जब तक हम विलासप्रियता को छोडकर जनसेवक नहीं बन जाते, तब तक स्वराज्य नहीं मिल सकता। वह मिल सकता है केवल सेवा,तपस्या और बलिदान से।'

5. रानी लक्ष्मीबाई ने क्या प्रतिज्ञा की थी ?

ज. रानी लक्ष्मीबाई झाँसी की महारानी थी। उसने यह प्रतिज्ञा की थी कि- ' मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी।' मैं अकेली हूँ, लेकिन मैं अकेली ही झाँसी लेकर रहूँगी।'

6. तात्या कौन थे? जूही तात्या का पक्ष क्यों लेती हैं।

ज. तात्या रानी लक्षीबाई की सेना के सेनापति थे। वे अपने स्वामी रघुनाथराव साहब के स्वामिभक्त है। जूही एक नर्तकी है। वह तात्या को अपने स्वामी मानती है। इसलिए जूही तात्या का पक्ष लेती हैं।

7. एकांकी के आधार पर 'स्वराज्य की नींव' का क्या तात्पर्य है?

ज. 'स्वराज्य की नींव' का तात्पर्य है – ' देश की स्वतंत्रता की लड़ाई का आरंभ करना'। यदि इसमें सफलता नहीं हुई तो मर मिटकर उसे प्राप्त करने के लिए दूसरों को स्फूर्ति देना। रानी लक्ष्मीबाई ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम द्वारा स्वराज्य की नींव डाली।

8. महारानी लक्ष्मीबाई का कौन-सा कथन तुम्हें अच्छा लगा? क्यों?

ज. महाराती लक्ष्मीबाई का यह कथन मुझे अच्छा लगा – 'नूपुरों की झंकार के स्थान पर तोपों का गर्जन होने दे।' क्यों कि वह स्वराज्य प्राप्ति के युद्ध का समय था। उस समय भोग विलास का कोई स्थान नहीं होगा। युद्ध के लिए तैयार होना चाहिए।

9. साहस, वीरता, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के महत्व पर दो-दो वाक्य लिखिए?

ज. **साहस** :- साहस सफलता की पहली आवश्यकता है। साहस न होने पर मनुष्य कभी यश प्राप्त नहीं कर पाता है।

वीरता :- वीरता का जन्म साहस से ही होता है। वीरता ही मानव का उत्तम गुण है।

आत्मविश्वास :- आत्मविश्वास माने स्वयं पर भरोसा करना है। इसके अभाव में व्यक्ति किसी कार्य में सफल नहीं हो सकता।

आत्म निर्भरता :- अपने बल पर अपना कार्य करना ही आत्मनिर्भरता है। आत्म निर्भर व्यक्ति को ही समाज में सम्मान मिलता है।

सारांश (10 marks)

9. 'स्वराज्य की नींव' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

या

वीरांगना लक्ष्मीबाई देशभक्ति की एक अद्भुत मिसाल थी। स्पष्ट कीजिए।

ज. **परिचय:-**

पाठ का नाम	: स्वराज्य की नींव
लेखक का नाम	: श्री विष्णु प्रभाकर
विधा	: एकांकी
जीवनकाल	: 1912–2009

रचनाएँ : आवारा मसीहा

विषय प्रवेशः- सुभद्राकुमारी चौहान जी ने कहा कि-'खूब लडी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।' लक्ष्मीबाई ने यह सिद्ध कर दिखया कि अबला हमेशा अबला नहीं रहती, आवश्यकता पड़ने पर सबला भी बन सकती है। उसने सच्चे अर्थों में देश की स्वतंत्रता की नींव रखी थी।

विश्लेषणः- रानी लक्ष्मीबाई झाँसी की महारानी थी। उसने यह प्रतिज्ञा की थी कि- ' मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी।' तात्या रानी लक्षीबाई की सेना के सेनापति थे। वे अपने स्वामी रघुनाथराव साहब के स्वामिभक्त है। जूही एक नर्तकी है। वह तात्या को अपने स्वामी मानती है। इसलिए जूही तात्या का पक्ष लेती हैं।

बाबा गंगादास ने रानी लक्ष्मीबाई से कहा था कि - 'स्वराज्य केवल सेवा, तपस्या और बलिदान से ही मिल सकता है।' लक्ष्मीबाई को इस बात की चिंता सता रही है- उसके पास तात्य जैसे सेनापति होने पर भी सेना में अनुशासन नहीं है। रावसाहब विलासिता में व्यस्त है।

महारानी तात्या से कहती है। -' अब स्वामी भक्त नहीं, देशभक्तों की आवश्यकता हैं। नूपुरों की झंकार के स्थान पर तोपों की का गर्जन होने दे। हमें स्वराज्य लेना है। हम रणभूमि में मौत से जूझना हैं। हम सब मिलकर स्वराज्य प्राप्त करके रहेंगे या स्वराजय की नींव का पत्थर बनेंगे।

विशेषताः- इस एकांकी में महारानी लक्ष्मीबाई की वीरता का वर्णन है।

भाषा की बात

1. रेखांकित शब्द का तत्सम रूप पहचानकर लिखिए।

- *हम सब चलकर उनकी नींद हराम कर देंगे।*

निंदा	निद्र	निद्रा

ज. निद्रा

तत्सम	तद्भव
1. प्रस्तर	पत्थर
2. भक्त	भगत
3. मृत्य	मौत
4. क्षण	छिन
5. स्नेह	नेह
6. स्थल	थल

2. क्रियाविशेषण शब्द पहचानकर लिखिए।

- ❖ खूब लडी मर्दानी वह तो झाँसीवाली रानी थी। - खूब
- ❖ सेनापति तात्या इधर ही आ रहे है। - इधर
- ❖ चाटुकारों में जागीर बाँटना अभी खत्म नहीं हुआ है।- अभी
- ❖ में सीधी युद्धभूमि में जा रही हूँ। - सीधी
- ❖ आज हमें देशभक्तों की आवश्यकता हैं - आज

3. हिंदी अक्षरों में लिखिए।

- **1912** - उन्नीस सौ बारह
- **1857** - अठारह सौ सत्तावन

4. सही कारक चिह्न पहचानकर लिखिए।

- हम विलासिता....डूब गये हैं। (का,में,से) ज. में
- पेशवा....सेना हार गयी। (में,की,से) ज. की
- हमें देशभक्तों....आवश्यकता हैं। (में,पर,की) ज. की
- मैं सीधी युद्धभूमि....जा रही हूॅ। (से,के,में) ज. में

5. वाक्य के आधार पर समास पहचानकर लिखिए।

➢ ये स्वामीभक्त हैं, लेकिन हमें देशभक्तों की आवश्यकता हैं।

देशभक्त - तत्पुरुष समास	स्वामिभक्त - द्वंद्व समास

ज. देशभक्त - तत्पुरुष समास

➢ स्वामिभक्त - तत्पुरुष समाास

➢ महारानी - कर्मधारय समास

➢ सेनापति - तत्पुरुष समास

6. रेखांकित शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।

- दूसरे क्षण मार्ग में हिमालय अड़ जाता हैं।

ज. हिम + आलय

- **निराशा - निः + आशा**

- **दुर्भाग्य** – **दुः + भाग्य**
- **निस्संदेह** – **निः + संदेह**

7. एक शब्द में लिखिए।

- देश के प्रति प्रेम दिखानेवाला – **देशभक्त**
- स्वामि के प्रति प्रेम दिखानेवाला – **स्वामिभक्त**
- सेना का संचालन करनेवाला – **सेनापति**
- जो वीर स्त्री हो – **वीरांगना**

8. रेखांकित मुहावरे का अर्थ क्या है ?

○ हम सब चलकर उनकी नींद हराम कर दें।

सो जाना	अविश्रांत कर देना	मर जाना

ज. अविश्रांत कर देना

- ***नींव का पत्थर*** - ***कार्य का आधार***
- ***ठोकर मारना*** - ***बहुत मार करना***
- ***आँखें खुलना*** - ***ज्ञानोदय होना***

9. लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

- **महारानी आपको जय हो।**

ज. महाराजा आपको जय हो।

- **मैं अकेली हूँ।**

ज. मैं अकेला हूँ।

- **अपना स्वामी मानता हूँ।**

ज. अपनी स्वामिनी मानती हूँ।

10. वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

- शंका अविश्वास पैदा करेगी।

हमारी हिंदी

ज. शंकाएँ अविश्वास पैदा करेंगी।

- मै अकेली हूँ।

ज. हम अकेले हैं।

- मैं तोपखाना संभालूँगी।

ज. हम तोपखाना संभालेंगे।

11. काल बदलकर लिखिए।

❖ मैं तोपखाना संभालूँगी। (वर्तमान काल)

ज. मैं तोपखाना संभालता हूँ।

❖ मैं अकेली ही झाँसी लेकर रहूँगी।(भूतकाल)

ज. मैं अकेली ही झाँसी लेकर रही थी।

❖ हम विलासिता में डूब गये हैं। (वर्तमान काल)

ज. हम विलासिता में डूब जाते हैं।

12. शुद्ध रूप में लिखिए।

- मैं अकेली हैं।

  ज. मैं अकेली हूँ।

- ये स्वामिभक्त हूँ।

  ज. ये स्वामिभक्त हैं।

- मैं औरों का बात नहीं जानती।

  ज. मैं औरों की बात नहीं जानती।

विलोम शब्द:

1. असफलता X सफलता
2. विश्वास X अविश्वास
3. स्वामी X दास

उपसर्ग:

1. स्वराज्य - स्व
2. निराशा - निर्
3. स्वराज्य - स्व

प्रत्यय:

1- वीरता - ता
2- ऐतिहासिक- इक
3- कलंकित - इत

******

9. दक्षिणी गंगा गोदावरी

विधा : - यात्रा वृतांत　　　　　　　　　　　　लेखक:-काका कालेलकर

शब्दार्थ:-	
१. बरसात	= वर्षा ऋतु, बारिश, వర్షాకాలం,Rainy season
२. छटा	= शोभा, प्रकाश, కాంతి, brightness
३. तितली	= फतिंगा, సీతాకోకచిలుక, Butterfly
४. कतार	= पंक्ति, వరుస, row
५. खामोश	= सन्नाटा, నిశ్శబ్దం, silence
६. बगुला	= बक, కొంగ, crane
७. निराली	= अद्वितीय, అపూర్వం, pecullar
८. पाट	= किनारा, ఒడ్డు, shore
९. झाँई	= छाया, నీడ, shadow
१०. धौले	= सफ़ेद, తెల్లని, white
११. उपमा	= तुलना, పోలిక, comparison
१२. टापु	= द्वीप, ద్వీపం, island
१३. सरिता	= नदी,तटिनी,तरंगिनी,वाहिनी, నది, river
१४. सरित्पति	= सागर,समुद्र,उदधि,जलधि,रत्नाकर,वारिधी, दोस्त, సముద్రం, sea
१५. भँवर	= बाडव ,సుడిగుండాలు, whirlpool
१६. कलगियाँ	= सिर पर रखनेवाला आभूषण, పాపిట బిళ్ళలు, an ornament kept in head
१७. संभ्रम	= भ्रमित होना, వేగిరపాటు, illusioned
१८. पताका	= झंडा, జెండా, flag

प्रश्न (4 marks)

1. 'दक्षिणी गंगा गोदावरी' पाठ के लेखक के बारे में आप क्या जानते हैं?

या

'श्री काका कालेलकर जी' के साहित्य परिचय दीजिए?

ज. 'दक्षिणी गंगा गोदावरी' पाठ के लेखक श्री काका कालेलकर जी है। इसका जन्म **21**, अगस्त, सन् **1885** में सतारा में हुआ। इनका बचपन पुरा नाम दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर हैं। इन्होंने आजीवन गॉंधीवाद विचारधारा का पालन किया। इनकी प्रमुख रचनाएँ -'सप्त सरिता' और 'जीवन-व्यवस्था' है। इनकी मृत्यु सन् **1991** में हुई।

प्रश्न (3 marks)

1. सूर्योदय के समय प्रकृति का वातावरण कैसा दिखायी देता है?

ज. सूर्योदय के समय प्रकृति का वातावरण आनंददायक दिखायी देता है। बरसात के दिन थे। इसलिए विविध छटावाली हरियाली फैल रही थी। सूर्योदय के समय आसमान में बादल, नदी का किनारा,नहर,तालाब और चंचंल कमल आदि बहुत सुंदर दिखायी देता है।

2. 'राजमहेंद्री के आगे गोदावरी की शान शौकत निराली है।' लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा?

ज. लेखक ने कहा कि- 'राजमहेंद्री के आगे गोदावरी की शान शौकत निराली है।' क्योंकि पुल पर से गुजरते समय गोदावरी नदी का विशाल पाट दिखाई देता है। लेखक ने कई महानदियों के विशाल प्रवाह देखे हैं। बेजवाडे में कृष्णा माता के दर्शन पर गर्व किया। गोदावरी नदी का प्रवाह देखकर आश्चर्य चकित हुआ।

3. लेखक ने भॅंवरों को बच्चों की उपमा क्यों दी होगी?

ज. लेखका ने भॅंवरों को बच्चों की उपमा दी। क्योंकि भॅंवर कुछ देर दीख पडते हैं, थोडी देर में बच्चें की तरह अपना रूप बदलकर भयानक तूफ़ान का स्वॉंग रचाते हैं। एक ही पल में खिलखिलाते हॅंस पडते हैं।

4. गोदावरी नदी के टापुओं की क्या विशेषता हा सकती हैं ?

ज. गोदावरी नदी के टापु प्रसिद्ध हैं। कुछ टापु तो पुराने धर्म की तरह जहॉं के तहॉं स्थिर रूप होकर जमें हुए हैं। नया-नया रूप प्रहरण करते हैं। एक कवि की प्रतिभा की तरह नवीनता उत्पन्न कर लेते हैं। इनमें बगुले रहते हैं।

5. लेखक ने रेल के पहिये की आवाज़ को 'संक्रामक' कहा है। क्यों ?

ज. लेखक ने रेल के पहिये की आवाज़ को 'संक्रामक' कहा है। 'संक्रामक' का अर्थ है- जो स्पर्श या संसर्ग से फैलता हो। रेल जब पुल पर चलती है, तब पहियों की आवाज बहुत बढती है। पहियों की आवाज़ एक-दूसरे को पहूँचती है। रेल के पहिये का ताल बहुत आकर्षक लगता है।

6. गोदावरी को धीर–गंभीर माता की संज्ञा क्यों दी गयी होगी?

ज. लेखक ने गोदावरी को धीर-गंभीर माता की संज्ञा दी गयीं। क्योंकि गोदावरी सागर से मिलते समय उसमें संभ्रम,घबराहट और उत्तेजना तो होगी ही पर, वह तो धीर-गंभीर माता ही ठहरी। उसका संभ्रम भी उदात्त रूप में ही प्रकट हो सकता है।

7. लेखक को गोदावरी का जल कैसा लगा होगा?

ज. लेखक को गोदावरी का जल बहुत अच्छा लगा। गोदावरी का जल महत्वपूर्ण है। उसके जल में अमोघ शक्ति है। उसका जल पीकर राम-लक्ष्मण और सीता धन्य हुए। उसके पानी की हर एक बूँद महत्वपूर्ण है।

7. आंधा को अन्नपूर्ण एवं भारत का धान्यागार क्यों कहा जाता है?

ज. आंध्रा को अन्नपूर्ण एवं भारत का धान्यागार कहा जाता है। इसमें कृष्णा और गोदावरी नदियों का बड़ा योगदान है। इन नदियों पर अनेक बॉध बनाये गये हैं। इससे लाखों एकड़ भूमि की सिंचाई होती है। करोडों लोगों को पेयजल मिलता है।

सारांश (10 marks)

९. चेन्नई से राजमहेंद्री जाते समय लेखक की भावनाएँ कैसी थी ?

या

'दक्षिणी गंगा गोदावरी' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

या

लेखक ने गोदावरी को माता की संज्ञा क्यों दी होगी?

ज. **परिचयः-**

पाठ का नाम	: दक्षिणी गंगा गोदावरी
लेखक का नाम	: श्री काका कालेलकर
विधा	: यात्रा वृतांत
जीवनकाल	: **1885–1991**
रचना	: सप्त सरिता

विषय प्रवेशः- गोदावरी नदी धीर-गंभीर माता और पूर्वजों की अधिष्ठात्री देवी मानी जाती है। इसके जल में अमोघ शक्ति है। इसके तट पर अनेक महापुरूषों ने जन्म लिया है। गोदावरी पावन और पवित्र नदी है।

विश्लेषणः-

- लेखक चेन्नाई से राजमहेंद्री जा रहे थे।
- बरसात के दिन थे। चारों ओर हरियाली फैली थी।
- बेजवाड़े से आगे सूर्योदय हुआ।
- कोव्वूर स्टेशन आ गया तो गोदावरी माता के दर्शन हुए।
- राजमहेंद्री के आगे गोदावरी की शान-शौकत कुछ निराली है।
- गोदावरी के टापु प्रसिद्ध हैं।
- गोदावरी अखंड प्रवाह से बहती हैं।
- नदी में छोटे-बड़े जहाज नदी के बच्चे हैं।
- नदी के किनारे महल और मंदिर हैं।
- सरित्पति से सरिता मिलने जाती है।
- नदी के पानी में उन्माद था, उसमें लहरें न थी।
- गोदावरी चार वर्णों की माता है। पूर्वजों की अधिष्ठात्री देवी है।
- उसके पानी की हर एक बूँद महत्वपूर्ण है।

विशेषताः- इस यात्रा वृतांत में गोदावरी नदी की महानता का सुंदर वर्णन किया है।

भाषा की बात

1. रेखांकित शब्द का तत्सम रूप पहचानकर लिखिए।

- ***सूरज*** ***की धूप का कहीं नामोनिशान तक न था।***

सुर्य	सूर्य	सूरझ

ज. ग्राम

तत्सम	तद्भव
1. क्षण	छिन
2. स्थल	थल
3. स्तन	थन
4. श्यामल	साँवला
5. सप्त	सत
6. मृत्यु	मौत

2. क्रियाविशेषण शब्द पहचानकर लिखिए।

- ❖ बेजवाडा से आगे सूर्योदय हुआ। - आगे
- ❖ यहाँ से गोदावरी मैया के भी दर्शन होने लगेंगे। - यहाँ
- ❖ पुल पर गुजरते समय दाएँ देखें। - दाएँ

3. हिंदी अक्षरों में लिखिए।

- **1885** - अठारह सौ पचासी
- **1991** - उन्नीस सौ इकानवे

4. सही कारक चिह्न पहचानकर लिखिए।

- **गोदावरी.....टापू प्रसिद्ध है।(का,के,की)** ज. के
- **बेजवाड़े.....आगे सूर्योदय हुआ। (में,पर,से)** ज. से
- **गोदावरी....शान-शौकत कुछ निराली है। (में,की,से)** ज. की
- **नदी के पानी.....उन्माद था । (में,के,से)** ज. में
- **चार वर्णों.....तू माता है । (में,के,की)** ज. की

5. वाक्य के आधार पर समास पहचानकर लिखिए।

- ➢ भारतवासी इस जगह गंगाजल के आधे कलश गोदावरी में उँडेलते हैं।

भारतवासी - तत्पुरुष समास	गंगाजल - द्वंद्व समास

ज. भारतवासी - तत्पुरुष समास

- ➢ गंगाजल - तत्पुरुष समाास
- ➢ चरणचिह्न - तत्पुरुष समास
- ➢ साधु-संत - द्वंद्व समास
- ➢ शूर-वीर - द्वंद्व समास

6. रेखांकित शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।

- बेजवाड़े से आगे सूर्योदय हुआ।

ज. सूर्य + उदय

- **उन्माद - उत् + माद**

- पवित्र – पो + इत्र
- अत्यंत – अति + अंत
- दुर्लभ – दुः + लभ

7. एक शब्द में लिखिए।

- राजनीति से संबंध रखनेवाला – राजनीतिज्ञ
- किए हुए उपकार को माननेवाला – कृतज्ञ

8. रेखांकित मुहावरे का अर्थ क्या है ?

○ सवेरे की ठंडी-ठंडी हवा का अभिनंदन करने को मन मचल पडता।

हठ करना	प्रसन्न होना	मर जाना

ज. *हठ करना*

➢ *मन छू लेना* - *आकर्षित करना*

9. ***लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।***

- **चार वर्णों की तू माता है।**

ज. चार वर्णों का तू पिता है।

- **छोटे–बड़े जहाज़ तो नदी के बच्चे हैं।**

ज. छोटे–बड़े जहाज़ तो नदी की बच्चियाँ हैं।

10. ***वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।***

- गोदावरी के टापु प्रसिद्ध हैं।

ज. गोदावरी का टापु प्रसिद्ध है।

- पुल पर गाडी चलती है।

ज. पुल पर गाडियॉं चलती हैं।

11. **काल बदलकर लिखिए।**

- गेदावरी के टापु प्रसिद्ध हैं। (भूत काल)

ज. गोदावरी के टापु प्रसिद्ध थे।

❖ नदी के पानी में उन्माद था ।(वर्तमान काल)

ज. नदी के पानी में उन्माद है।

❖ 12. शुद्ध रूप में लिखिए।

- गोदावारी की टापु प्रसिद्ध हैं।

  ज. गोदावरी के टापु प्रसिद्ध हैं।
- चार वर्णों की तू माता हूँ।

  ज. चार वर्णों की तू माता है।

विलोम शब्दः

1. विजच X अपजय
2. प्रसिद्ध X अप्रसिद्ध
3. दुर्लभ X सुलभ
4. सूर्योदय X सूर्यास्त

उपसर्गः

1. दुर्लभ - दुर्
2. विजय - वि
3. अखंड - अ
4. अनासक्त - अन्

प्रत्ययः

1. गहराई - आई
2. प्राकृतिक - इक
3. दर्शनीय - ईय
4. कृतज्ञता - ता

*****

हमारी हिन्दी

अपने स्कूल को एक उपहार

1. राजु को उसका पुराना स्कूल कैसा लगा था ?

ज. राजु को उसका पुराना स्कूल बहुत अच्छा लगता था। वह एक अपाहिज बालक था। उसकी टांगे पतली और दुर्बल थीं। उसके पुराने स्कूल में कभी ने उसको मज़ाक नहीं उडाया। वहाँ उसके कई मित्र थे। सभी अध्यापक उसे पसंद किया करते थे। वह समझता था कि ‘‘यदि स्वर्ग में भी स्कूल हो तो, अपनी पुराने स्कूल से अधिक अच्छा नहीं हो सकता।’’

2. राजु के प्रति नये स्कूल के साथियों का व्यवहार कैसा था ?

ज. राजु के प्रति नये स्कूल के साथियों का व्यवहार बुरा था। राजु की टांगे बहुत दुर्बल थी। इसलिए वह धीरे-धीरे चलने लगा। उसकी टांगे की ओर इशारा करके मज़ाक उडाते थे। अध्यापक भी इसका ध्यान नहीं देते। कक्षा में पीछे बिठा देते थे। वे समझते थे कि ‘‘राजु एक गंवार लड़का था।

3. राजु ने अपने स्कूल को किस तरह उपहार समर्पित किया ?

ज. राजु को नये स्कूल के बच्चे ‘गंवार’ समझते थे। वे समझते थे कि वह वार्षिक परीक्षा में फेल हो जाता था। लेकिन राजु खुब परिश्रम से पढ़ने लगा। एक सप्ताह में वार्षिक परीक्षा समाप्त हो गयी। परिणाम निकले। राजु कक्षा में प्रथम आया। इसप्रकार राजु ने अपने पुराने स्कूल को एक अच्छा उपहार दिया।

हमारी हिंदी

SCAN THIS CODE

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com

SCAN THIS CODE

10. नीति दोहे

विधा : - कविता | कवि:-रहीम, बिहारी

शब्दार्थ:-	
१. संपत्ति	= संपदा, धन, दौलत, సంపద, wealth
२. सगे	= मित्र, दोस्त, मीत, స్నేహితులు, friends
३. विपत्ति	= संकट, कष्ट, आफ़त, ఆపద, troubles
४. कसौटी	= सोना परखने का एक काला पत्थर, हृदय, గీటురాయి, touch stone
५. साँचे	= सच्चे, सत्य, నిజమైన, true
६. मीत	= मित्र, दोस्त, స్నేహితులు, friends
७. पानी	= जल, नीर, वारि, నీరు, water
८. सून	= शून्य, శూన్యం, empty
९. मोती	= मौक्तिक, ముత్యం, pearl
१०. मानुष	= मानव, नर, మనిషి, man
११. कनक	= सोना, स्वर्ण, బంగారం , gold
१२. जग	= विश्व, संसार, ప్రపంచం, world

प्रश्न (4 marks)

1.‘रहीम जी’ का साहित्य परिचय दीजिए ?

ज. ‘रहीम’ हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कवि है। उनका जन्म सन् **1556** में लाहौर में हुआ। उनकी मृत्यु **1626** में दिल्ली में हुई। वे संस्कृत, अरबी, फारसी के विद्वान हैं। अकबर के मित्र, प्रधान सेनापति व मंत्री हैं। उनकी प्रसिद्ध रचनाएँ – ‘‘रहीम सतसई, बरवै नायिका भेद, श्रृंगार सोरठ आदि हैं।

2.‘बिहारी जी’ का साहित्य परिचय दीजिए ?

ज. ‘बिहारी’ हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कवि है। उनका जन्म सन् **1595** गोविंदपुर गाँव में हुआ। उनकी मृत्यु **1663** में हुई। वे रीति काल के दरबारी कवि हैं। इनके दोहे नीतिपरक होते हैं। इनके दोहों के लिए ‘गागर में सागर’ भर देनेवाली बात कहीं जाती है। इनकी प्रसिद्ध रचना ‘बिहारी सतसई’ हैं।

प्रश्न (3 marks)

1. रहीम के अनुसार सच्चे मित्र की पहचान कब होती है ?

ज. रहीम कहता है कि – संपत्ति के समय सभी हमारे मित्र बन जाते हैं। लेकिन विपत्ति के समय साथ रहने वाला ही सच्चा मित्र है। जिस प्रकार कसौटी पर परखने से ही सोने की सचाई का पता चलता है। उसी प्रकार विपत्ति के समय सच्चे मित्र की पहचान होती है।

2. रहीम ने जल के महत्व के बारे में क्या बताया है? या

‘पानी गये न ऊबरै, मोती मानुष चून’ पंक्ति का भाव बताइए ?

ज. रहीम कहता है कि – पानी का अर्थ होता है-‘चमक, मान और जल है। चमक के बिना मोती, मान के बिना मानव और जल के बिना आटा बेकार है। इनके बिना सब कुछ बेकार है। भाव यह है कि मानव को सम्मान बनाये रखना चाहिए।

3. बिहारी ने सोने की तुलना धतूरे से क्यों की होगी ? या

किसके मिलने से मनुष्य पागल हो जाता है ?

ज. बिहारी कहता है कि – सोना, धतुरे से सौगुना अधिक जहरीला और नशीला होता है। क्योंकि धतुरा तो खाने से लोग पागल हो जाते हैं, लेकिन सोना तो पाकर ही लोग पागल हो जाते हैं। इसलिए बिहारी ने सोने की तुलना धतुरे से की होगी।

4. बिहारी ने नर की तुलना किससे की है ? या

बिहारी के अनुसार व्यक्ति को कैसा होना चाहिए ?

ज. बिहारी कहता है कि – नर और नल के पानी की स्थिति समान है। नल का पानी जितना ही नीचे जाता है पुनः उतना ही ऊपर उठता है। उसी प्रकार मनुष्य जितना अधिक विनम्र होता है, उतना ही विकास करता हैं।

5. नीति वचनों का हमारे जीवन पर क्या प्रभाव होता है ?

ज. नीति वचनों का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव होता है। नीति वचनों से नैतिक गुणों का विकास हो जाता है। इनके द्वारा ही हम अच्छे-बुरे, सही-गलत में भेद कर सकते हैं। अच्छे नागरिक बन जाते हैं।

6. वस्तु विनियोग की दृष्टि से एक के स्थान पर उससे अधिक वस्तुएँ खरीदना ठीक नहीं हैं। क्यों ?

ज. वस्तु विनियोग की दृष्टि से एक के स्थान पर उससे अधिक वस्तुएँ खरीदना ठीक नहीं हैं। क्योंकि इससे धन का अपव्यय हो जाता है। अधिक वस्तुएँ खरीदने से उनके बरबाद होने की संभावना है। वस्तुओं को रखने के लिए स्थान की कमी भी पैदा हो जाता है।

सारांश (10 marks)

1. रहीम के दोहों से नैतिक गुणों का विकास होता है। स्पष्ट कीजिए।

या

रहीम के दोहो के भाव अपने शब्दों में लिखिए ।

ज. **परिचयः-**

पाठ का नाम	: नीति दोहे
कवि का नाम	: रहीम
विधा	: कविता
जीवनकाल	: 1556–1626
रचनाएँ	: रहीम सतसई, बरवै नायिका भेद

विषय प्रवेशः- नैतिक गुणों के विकास के द्वारा ही हम अच्छे-बुरे और सही-गलत का भेद कर सकते हैं।

विश्लेषणः- 1. रहीम कहता है कि - संपत्ति के समय सभी हमारे मित्र बन जाते हैं। लेकिन विपत्ति के समय साथ रहने वाला ही सच्चा मित्र है। जिस प्रकार कसौटी पर परखने से ही सोने की सचाई का पता चलता है। उसी प्रकार विपत्ति के समय सच्चे मित्र की पहचान होती है।

2. रहीम कहता है कि - पानी का अर्थ होता है-'चमक, मान और जल है। चमक के बिना मोती, मान के बिना मानव और जल के बिना आटा बेकार है। इनके बिना सब कुछ बेकार है। भाव यह है कि मानव को सम्मान बनाये रखना चाहिए।

विशेषताः- रहीम के दोहों से नैतिक गुणों का विकास हो जाते हैं।

2. बिहारी के दोहों से नैतिक गुणों का विकास होता है। स्पष्ट कीजिए।

या

बिहारी के दोहो के भाव अपने शब्दों में लिखिए ।

ज. **परिचयः-**

पाठ का नाम : नीति दोहे
कवि का नाम : बिहारी
विधा : कविता
जीवनकाल : **1595—1663**
रचनाएँ : बिहारी सतसई

विषय प्रवेशः- नैतिक गुणों के विकास के द्वारा ही हम अच्छे-बुरे और सही-गलत का भेद कर सकते हैं।

विश्लेषणः- 1. बिहारी कहता है कि - सोना, धतुरे से सौगुना अधिक जहरीला और नशीला होता है। क्योंकि धतुरा ता खाने से लोग पागल हो जाता है, लेकिन सोना तो पाकर ही लोग पागल हो जाते हैं। इसलिए बिहारी ने सोने की तुलना धतुरे से की होगी।

2. बिहारी कहता है कि - नर और नल के पानी की स्थिति समान है। नल का पानी जितना ही नीचे जाता है पुनः उतना ही ऊपर उठता है। उसी प्रकार मनुष्य जितना अधिक विनम्र होता है, उतना ही विकास करता हैं।

विशेषताः- बिहारी के दोहों से नैतिक गुणों का विकास हो जाते हैं।

भाषा की बात

1. तत्सम-तद्भव

तत्सम	तद्भव
1. स्वर्ण	सोना
2. मित्र	मीत
3. मौक्तिक	मोती
4. मनुष्य	मानुष
5. वारि	बारि
6. सत्य	साँच

2. हिंदी अक्षरों में लिखिए।

- **1556** – पंद्रह सौ छप्पन
- **1626** – सोलह सौ छब्बीस
- **1595** – पंद्रह सौ पचानवे
- **1663** – सोलह सौ तिरसठ

3. रेखांकित मुहावरे का अर्थ क्या है ?

○ बिहारी के दोहे गागर में सागर भर देते थे।

अधिक में कुछ कहना	थोडे में बहुत कहना	भाग जाना

ज. थोडे में बहुत कहना

*****

11. जल ही जीवन है

विधा : - कहानी   लेखक:-श्री प्रकाश

शब्दार्थ:-
१. शुरुआत = प्रारंभ, ప్రారంభం, start
२. ख़बर = समाचार, वार्ता, వార్త, news
३. इंतजार = निरीक्षण, నిరీక్షణ, to wait
४. आविष्कार = खोज, ఆవిష్కరణ, invention
५. हू–बू–हू = बिलकुल, అదే విధంగా, as it is
६. तबाही = नाश, నాశనం, ruin
७. ज़हर = विष, విషం, poision
८. यान = वाहन, యంత్రం, vehicle
९. जलचोर = जल को चुरानेवाला, నీటి దొంగలు, water thiefs
१०. ओझल = गायब, మాయం , disappear

प्रश्न (4 marks)

1. 'जल ही जीवन है' कहानी के लेखक के बारे में आप क्या जानते हैं?

या

'श्रीप्रकाश' जी के साहित्य परिचय दीजिए ?

ज. 'जल ही जीवन है' पाठ के लेखक श्री प्रकाश जी है। वे हिंदी के जाने माने लेखक है। इन्होंने विज्ञान संबंधी ढ़ेर सारे निबंध लिखे हैं। इनके निबंध विचारोत्तेजक हैं। प्रस्तुत रचना 'संचार माध्यमों के लिए विज्ञान' नामक पुस्तक से ली गयी हैं।

प्रश्न (3 marks)

1. सर्वेक्षण में क्या बताया गया है ?

ज. एक दिन समाचार पत्र में एक खब़र प्रकाशित हुई, जिसे पढ़कर लोग आश्चर्ययकित हो गए। इस खब़र के अनुसार एक सर्वेक्षण में बताया गया कि पृथ्वी पर निरंतर पानी की कमी होती जा रही है।

2. प्रो.दिपेश की होश क्यों उड़ गये ?

ज. प्रो.दिपेश लॉन पर बैठे आकाश की ओर देखकर कुछ सोच रहे थे। अचानक उनकी नज़र एक तारे पर पड़ी। वह नाचता हुआ पृथ्वी की ओर आ रहा था। वह तारा नहीं अंतरिक्षयान है। यह समझकर प्रो.दिपेश की होश उड़ गयें

3. जासुसी यान से क्या तात्पर्य है ?

ज. गुप्त रूप से किसी विषय वस्तु आदि के पता लगानेवाले यान को जासुसी यान कहते हैं। यह पृथ्वी पर हमला कर सकता है।

4. मानवाकृति अंतरिक्षयात्री कहॉं से आये थे ? क्यों आये थे?

ज. अंतरिक्षयात्री पृथ्वी से एक प्रकाशवर्ष दूर के एक ग्रह से आये थे। उसके ग्रह के पानी में एक विशेष प्रकार के विषाणुओं के मिल जाने के कारण वह जहरीला हो गया है। इसलिए वे पृथ्वी से पानी ले जाने के लिए आये थे।

5. अंतरिक्षयात्री की प्रार्थना क्या थी ?

ज. अंतरिक्षयात्री की प्रार्थना यह थी कि- ‘ आप अपने जलाशयों को साफ़ और सुरक्षित रखें ताकि आपको भी हमारी तरह जलचोर न बनना पड़े।’

6. हमारे जीवन में जल का क्या महत्व हैं ?

ज. हमारे जीवन में जल का बड़ा महत्व है। जल से ही मानव का अस्तित्व हैं। जल ही सभी प्राणियों के जीवन का आधार हैं। जल के बिना हम जिंदा नहीं रह सकते। इसलिए जल का सदुपयोग करना चाहिए।

7. ‘जल ही जीवन है’ शीर्षक से आपका क्या अभिप्राय है ?

ज. हम सभी जल पर निर्भर प्राणी हैं। संसार में हर प्राणी जल का उपयोग करते हैं। हमारे जीवन का प्रमुख आधार जल ही है। इसलिए ‘जल ही जीवन है।’

8. जल स्त्रोतों के रख-रखाव के बारे में आप क्या सुझाव देना चाहेंगे ?

या

धरती पर हर हिस्से में जल हैं, किन्तु स्वच्छ जल की मात्रा बहुत कम है। ऐसी स्थिती में जलका सदुपयोग कैसे करेंगे ?

ज. जल ही हमारा जीवन है। इसकी संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है। इसलिए जल का सदुपयोग करना है। इसकी सुरक्षित करना है। हम जल प्रदूषण न करना है। अधिक पेड-पौधे लगाना है।

सारांश (10 marks)

१. 'जल ही जीवन है' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

या

जल स्त्रोतों के रख-रखाव करने के बारे में आप क्या सुझाव देना चाहेंगे?

या

आज दुनिया के सभी देशों में जलकी समस्या बरी हुई हैं। इसके समाधान में हम सब की क्या जिम्मेदारी है?

ज. **परिचयः-**

पाठ का नाम : जल ही जीवन है

लेखक का नाम : श्री प्रकाश

विधा : कहानी

विषय प्रवेशः- हमारे जीवन में जल का बड़ा महत्व है। जल से ही मानव का अस्तित्व हैं। जल ही सभी प्राणियों के जीवन का आधार हैं। जल के बिना हम जिंदा नहीं रह सकते। इसलिए जल का सदुपयोग करना चाहिए।

जल संरक्षण के उपाय-

- नदियों पर बॉंध बनाकर पानी इकट्ठा करना है।
- पानी का सदुपयोग करना चाहिए।
- गड्ढे खोदकर वर्षा का पानी इकट्ठा करना है।
- पानी का प्रदूषण न करना है।
- बिन्दु सिंचाई का उपयोग करना है।
- पेड़-पौधों को न काटना है।
- अधिक से अधिक पौधे लगाना है।
- कल-कारखनों का जहरीला व्यर्थ नदियों में न बहाना है।
- जल को साफ़ रखना है।
- जल को गंदा न करें।

विशेषताः- जल संरक्षण करना हमारा कर्त्तव्य है। इसका सदुपयोग करें।

भाषा की बात

1.

तत्सम	तद्भव
1. अक्षि	आँख
2. यंत्र	यान

2. क्रियाविशेषण शब्द पहचानकर लिखिए।

- ❖ हम लोग यहाँ एक मिशन के तहत आए हैं। – यहाँ
- ❖ मैं वहाँ के राजा हूँ। – वहाँ
- ❖ पृथ्वी पर निरंतर पानी की कमी होती हैं – निरंतर

3. सही कारक चिह्न पहचानकर लिखिए।

- जनसंख्या.....नियंत्रण कर लिया था। (का,पर,की) ज. पर
- लोग सुख–चैन.....रह रहे थे । (में,पर,से) ज. से

4. वाक्य के आधार पर समास पहचानकर लिखिए।

- ➢ सुख-चैन – द्वंद्व समाास
- ➢ जलचोर – तत्पुरुष समास
- ➢ जलराशि – तत्पुरुष समास
- ➢ अंतरिक्षयात्री – तत्पुरुष समास

5. रेखांकित शब्द का संधि–विच्छेद कीजिए।

- विषाणु – विष+अणु
- पर्यावरण – परि+अवारण

6. एक शब्द में लिखिए।

- ❖ जल को चुरानेवाला – जलचोर
- ❖ जो अंतरिक्ष में रहते हैं – अंतरिक्षवासी
- ❖ जो अंतरिक्ष में यात्रा करते हैं – अंतरिक्षयात्री

7. रेखांकित मुहावरे का अर्थ क्या है ?

- ➢ *ओझल हो जाना* - *गायब होना*
- ➢ *तबाही मचाना* - *नाश करना*

12. धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब

विधा : - साक्षात्कार

शब्दार्थ:-	
१. आविष्कार	= खोज, ఆవిష్కరణ, invention
२. साक्षात्कार	= प्रत्यक्ष भेंट, मुलाकात, కలయిక, interview
३. अभिभावक	= संरक्षक, సంరక్షకుడు, guardian
४. भ्रष्टाचार	= आचरण भ्रष्ट, అవినీతి corruption
५. ईमानदारी	= सत्यनिष्ठ एवं धर्म परायणता, నిజాయితి, honesty
६. मुहिम	= युद्ध,समर, యుద్ధం, campaign
७. उन्मूलन	= जड़ से उखाड देना, నిర్మూలన, eradication
८. दायित्व	= दायित्व, బాధ్యత, responsibility
९. लगन	= दृष्टि, శ్రద్ధ, devotion
१०. बुलंदी	= ऊँचाई, ఉన్నతం , lofitness

प्रश्न (3 marks)

1.निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

ज. निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए सरकार द्वारा ये कदम उठाये जा रहे हैं:-

- सरकार ने शिक्षा का अधिकार-2009 बनाया और 1,अप्रैल,2010 से लागु हुआ।
- 6-14 वर्षीय बच्चों को नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा दी जा रही है।
- पाठशालाओं में सुविधाएँ बढ़ाई जा रही है।
- पुस्तकें, वर्दी, दोपहर को मुफ्त से भोजन और छात्रवृत्ति आदि दी जा रही है।,

2. एक छात्र में कौन-कौन से महत्वपूर्ण गुण होने चाहिए ?

या

कलाम के विचार में एक आदर्श छात्र के गुण क्या है

ज. कलाम के विचार में एक आदर्श छात्र के महत्वपूर्ण गुण है- उसकी अपने प्रति ईमानदारी और दूसरों के प्रति आदर का गुण। ये गुण निस्संदेह छात्र को आदर्श नागरिक बनाएगा।

3. एक छात्र के रूप में विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए हमें क्या-क्या करना चाहिए?

ज. एक छात्र के रूप में विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए ये करना चाहिए।

- छात्र खूब परिश्रम करना है।
- जीवन में एक लक्ष्य बनना है।
- आवश्यक ज्ञान और अनुभव प्राप्त करना है।
- नैतिक मूल्यों को ग्रहण करना है।

4. भारत को भ्रष्टाचार मुक्त कराने में छात्रों का क्या योगदान है ?

ज. भारत को भ्रष्टाचार मुक्त कराने में छात्रों का बड़ा योगदान है।

- सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए आंदोलन करना है।
- माता,पिता और अध्यापक बच्चों को ईमानदारी और सचाई का पाठ पढ़ाना है।
- छात्र सदैव ईमानदार और भ्रष्टाचारमुक्त जीवन का निर्वाह करना है।

5. बच्चों के लिए टेसी थॉमस का संदेश क्या है ?

या

टेसी थॉमस के जीवन से हमें क्या संदेश मिलता है।

ज. बच्चों के लिए टेसी थॉमस का संदेश है- " जो भी पढ़े, ध्यान से पढ़े। मेहनत करें और लक्ष्य प्राप्त करने तक रुके नहीं। जो उन्हें पसंद है, उसमें अपना जी-जान लगा दें। कमर कसकर तैयारी करें। सफलता अवश्य उनके कदम चूमेगी।"

6. टेसी थॉमस को 'अग्नि पुत्री' का उपनाम क्यों दिया गया होगा?

ज. टेसी थॉमस को 'अग्नि पुत्री' का उपनाम दिया है। क्योंकि वे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के अग्नि-5 कार्यक्रम की निदेशिका बनी। उन्होंने देश के किसी मिसाइल प्रोजेक्ट की पहली महिला बनाने का गौरव प्राप्त किया।

7. ए.पि.जे.अब्दुल कलाम ने बालमजदुरी को समाप्त करने के लिए क्या उपाय बताये ?

ज. कानूनन बाल मज़दूरी करवाना एक अपराध है। कलाम जी ने बाल मज़दूरी को समाप्त करने के लिए ये उपाय बतायें-

- 6-14 वर्ष के बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार घोषित करना है।
- बच्चा स्वयं अपनी पढ़ाई जारी रखने में रूचि दिखायें।
- मात-पिता को शिक्षित करें।
- बच्चों से काम लेने वाले मालिकों में आत्म-नियंत्रण की प्रवृत्ति का विकास करना है।

सारांश (10 marks)

1. अच्छे नागरिक बनने के लिए कौन से गुण होने चाहिए ?

या

ए.पि.जे. अब्दुल कलाम के विचार आदर्श योग्य हैं। इन विचारों को अमल में लाने के लिए आप क्या करेंगं ?

या

कलाम के विचार में एक आदर्श छात्र के गुण क्या-क्या हैं?

ज. परिचयः-

पाठ का नाम : धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब

विधा : साक्षात्कार

कलाम जी के अनुसार एक आदर्श नागरिक बनने के लिए ये गुण होने चाहिए-

अच्छे नागरिक के गुण-

- अपने प्रति ईमानदारी और दूसरों के प्रति आदर का गुण होना है।
- छात्र खूब परिश्रम करना है।
- जीवन में एक लक्ष्य बनना है।
- आवश्यक ज्ञान और अनुभव प्राप्त करना है।
- नैतिक मूल्यों को ग्रहण करना है।
- बाधाओं से लडते हुए पन पर विजय प्राप्त करना है।
- कड़ी मेहनत करनी चाहिए।
- अनुशासन का पालन करना चाहिए।
- गरीब छात्रों की सहायता करना हैं।
- छात्र अधिक से अधिक पौधे लगाना हैं।
- सदैव ईमानदार और भ्रष्टाचारमुक्त जीवन का निर्वाह करना है।

2. टेसी थॉमस अब्दुल कलाम को अपना आदर्श मानती हैं। क्यों?

ज. परिचयः-

पाठ का नाम : धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब

विधा : साक्षात्कार

टेसी थॉमस अब्दुल कलाम को अपना आदर्श मानती है। क्योंकि-

" आज हमारे देश में अंतरिक्ष विज्ञान और मिजाइल की बात की जाती है, तो एक नाम गूँजती है- ए.पि.जे.अब्दुल कलाम। सच्चे अर्थों में वे देश के ही नहीं, पूरी दुनिया के आदर्श है। उन्होंने दुनिया के मानचित्र में भारत को महत्वपूर्ण स्थान दिया है। उसके लिए भारतवासी उनके ऋणी हैं।

टेसी थॉमस कलाम को अपना गुरू मानती है। क्यों कि वे डी.आर.डी.ओ में कलाम के नेतृत्व में काम कर चुकी है। कलाम की प्रेरणा से ही उसको 'अग्नि पंख' मिले हैं। कलाम जी महान थे, महान हैं और महान रहेंगे। उनकी नेतृत्व क्षमता बेमिसाल है। इसलिए टेसी थॉमस गर्व के साथ कहती है कि 'उन्हें मैं अपना आदर्श मानती हूँ।'

भाषा की बात

1. रेखांकित शब्द का तद्भव रूप पहचानकर लिखिए।

- *वे __अग्नि__ कार्यक्रम की निदेशक बनीं।*

अगनी	आग	अगा

ज. आग

तत्सम	तद्भव
1. स्वप्न	सपना
2. रत्न	रतन

2. क्रियाविशेषण शब्द पहचानकर लिखिए।

- भ्रष्टाचार लगभग सभी स्तरों में व्याप्त हैं। - लगभग
- बडे हमेशा बच्चों को उपदेश देते रहते हैं। - हमेशा
- सफलता अवश्य उनके कदम चूमेगी। - अवश्य

3. हिंदी अक्षरों में लिखिए।

- **2020** - दो हजार बीस
- **2002** - दो हजार दो

4. सही कारक चिह्न पहचानकर लिखिए।

- जो भी पढ़े ध्यान.....पढ़े। (से,के,की) — ज. से
- छात्र अधिक.....अधिक पौधे लगायें। (में,पर,से) — ज. से
- अब्दुल कलाम....साक्षात्कार छात्र करेंगे। (में,का,से) — ज. का
- धरती.....सवाल अंतरिक्ष....जवाब । (का,के,की) — ज. के

5. वाक्य के आधार पर समास पहचानकर लिखिए।

➢ ए.पी.जे अब्दुल कलाम भारत के वैज्ञानिक और राष्ट्रपति थे।

राष्ट्रपति – तत्पुरुष समास	वैज्ञानिक – द्वंद्व समास

ज. राष्ट्रपति – तत्पुरुष समास

➢ युवाशक्ति – तत्पुरुष समास

➢ पढ़ना-लिखना – द्वंद्व समास

➢ भारतवासी – तत्पुरुष समास

6. रेखांकित शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।

- कलाम एक <u>निर्धन</u> बालक था।

ज. निः+धन

- **सदैव – सदा + एव**
- **संकल्प – सम् + कल्प**
- **विद्यालय – विद्या + आलय**
- **स्वागत – सु + आगत**
- **पर्यावरण – परि + आवरण**
- **निस्संदेह – निः + संदेह**
- **भ्रष्टाचार – भ्रष्ट + आचार**

समर्पित हिन्दी

7. एक शब्द में लिखिए।

- ❖ जो नगर में रहनेवाला हो – नागरिक
- ❖ जिसके पास धन न हो – निर्धन
- ❖ जो विज्ञान संबंधी खोज करनेवाला – वैज्ञानिक
- ❖ जो संभव न हो – असंभव
- ❖ जो आँखों के सामने हो – प्रत्यक्ष
- ❖ जो सप्ताह में एक बार आनेवाला – साप्ताहिक
- ❖ जो प्रत्यक्ष रूप से प्रश्नोत्तर करना – साक्षात्कार

8. रेखांकित मुहावरे का अर्थ क्या है ?

○ सफलता अवश्य उनके कदम चूमेगी।

विजय होना	प्रसन्न होना	मर जाना

ज. दुःखी होना

➤ कमर कसना - तैयार होना

9. लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

▪ वह निर्धन बालक था।

ज. वह निर्धन बालिका था।

▪ छात्र पाठशाला जाता है।

ज. छात्रा पाठशाला जाती है।

▪ वह मेरे गुरु है।

ज. वह मेरी गुरुआइन है।

10. वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

● छात्रा पौधे लगाती है।

ज. छात्राएँ पौधे लगाती हैं।

- राजु पौधा लगाता है।

ज. राजु पौधे लगाता है।

11. काल बदलकर लिखिए।

- सफलता अवश्य उनके कदम चूमेगी। (वर्तमान काल)

ज. सफलता अवश्य उनके कदम चूमती है।

- कानूनन बाल मजदूरी करवाना एक अपराध है ।(भूतकाल)

ज. कानूनन बाल मजदूरीकरवाना एक अपराध था।

12. शुद्ध रूप में लिखिए।

- मैं पाठशाला जाता है।

ज. मैं पाठशाला जाता हूँ।

- तुम तुम्हारे घर जाते हो ।

ज. तुम अपने घर जाते हो।

- मैं को बेहद खुशी होती है।

ज. मुझे बेहद खुशी होती है।

विलोम शब्दः		उपसर्गः	प्रत्ययः
1. संभव	X असंभव	1. बेहद - बे	1- वैज्ञानिक - इक
2. ज्ञान	X अज्ञान	2- सुप्रसिद्ध - सु	2- साक्षरता - ता
3- वढ़िया	X घटिया	3- बेमिसाल - बि	3- नागरिक - इक
4- साकार	X निराकार	4- अनुसंधान- अनु	4 सामाजिक - इक

****

हमारी हिन्दी

अनोखा उपाय (उपवाचक)

1. राजा कुमारवर्मा के राज्य में अकाल की स्थिति क्यों उत्पन्न हुई ?

(या)

किन कारणों से राजा कुमारवर्मा के राज्य में अकाल उत्पन्न हुई ?

ज. राजा कुमारवर्मा ने छोटी-छोटी भूलें की होंगी। उन्होंने उनका सुधार नहीं किया होगा। इसलिए राजा कुमारवर्मा के राज्य में अकाल की स्थिति उत्पन्न हुई होगी।

2.अकाल की समस्या के परिष्कार के लिए राजा ने क्या किया होगा ?

(या)

अकाल की समस्या के परिष्कार के लिए राजा ने क्या-क्या उपाय सोचे होंगे?

ज.राजा ने यज्ञ-याग आदि को किये होंगे। अडोस-पडोस के राज्यों से अनाज उधार लिया होगा। कई बुद्धिमानों से सलाह लिया होगा। राज भंडार का अनाज प्रजा को बाँट दिया होगा। समस्या की हल के लिए वह पडोसी राजा के पास गया होगा।

3. राजा कुमारवर्मा की जगह पर यदि तुम होते तो अकाल की समस्या को कैसे जूझते?

ज.राजा कुमारवर्मा की जगह पर मैं होता तो अकाल की समस्या को इस प्रकार जूझता-

(1) राज भंडार का अनाज प्रजा में बाँट दूँगा।

(2) वृक्षारोपण के लिए योजनाएँ तैयार करूँगाा।

(3) जल संरक्षण के लिए योजनाएँ तैयार करूँगा।

(4) मैं कभी छोटी सी छोटी भूल भी नहीं करूँगा।

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com
SCAN THIS CODE

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com
SCAN THIS CODE